PHM
Prime Heritage Morning
News

प्राइम हेरिटेज मॉर्निंग

PRIME HERITAGE MORNING

संपादक- ललित कुमार शर्मा

हिन्दी मासिक

गाजियाबाद, मुरादनगर, मोदीनगर, मेरठ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, बुलन्दशहर, अनूपशहर, आगरा, लखनऊ से एक साथ प्रसारित

अप्रैल 2025 (गाजियाबाद) | TITLE CODE- UPHIN49692 | वर्ष-5, अंक-9, पृष्ठ-8, मूल्य : 20 रूपये

हिमाचल में लैंडस्लाइड में 4 कारें दबीं, 6 की मौत

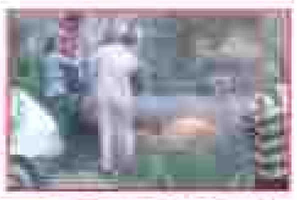

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के धार्मिक पर्यटन स्थल मणिकर्ण में गुरुद्वारे के पास रविवार शाम करीब 4 बजे पहाड़ी से लैंडस्लाइड हो गया। ये लैंडस्लाइड तेज तूफान के कारण भारी भरकम पेड़ के गिरने से हुआ। पेड़ सड़क पर पहले से ही खड़ी करीब 6 गाड़ियों पर गिरा। जिससे इन गाड़ियों में सवार कुल 6 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका भी है। प्रशासन और पुलिस रेस्क्यू में जुटी हुई है। हादसे के बाद काफी देर तक कुछ लोग गाड़ियों के अंदर ही फंसे रहे, जिन्हें पुलिस ने बाहर निकाला। घायलों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और गंभीर रूप से घायल लोगों को कुल्लू रेफर किया गया है। सड़क पर आए मलबे को हटाकर दबे लोगों की तलाश जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लैंडस्लाइड के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश ने बताया कि 6 लोगों के मौत की सूचना है। जिला प्रशासन और पुलिस मौके पर है, राहत एवं बचाव कार्य जारी है। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से 6 लोगों के शव निकाल लिए हैं। अभी इनकी पहचान नहीं हो सकी है, पहचान के लिए पुलिस प्रयास में जुटी है। मृतकों में कई पर्यटक हो सकते हैं, क्योंकि मणिकर्ण में देशभर से धार्मिक टूरिस्ट दर्शन करने पहुंचते हैं। लैंडस्लाइड के बाद कुल्लू को मणिकर्ण से जोड़ने वाली सड़क बंद हो गई है। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लंबी कतारें हैं। इसे देखते हुए पुलिस ने मणिकर्ण से पहले ही ट्रैफिक रोक दिया है, ताकि घायलों को एम्बुलेंस से जल्द अस्पताल पहुंचाया जा सके।

हिन्दू नववर्ष एवं नवरात्रि की देशभर में धूम

गुजरात के अम्बाजी में गरबा, राम जन्मभूमि मंदिर फूलों से सजाया गया

नई दिल्ली। रविवार से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा यानी नववर्ष की शुरुआत तो हो ही रही है, इसके साथ ही शुरू हो रहा है नव संवत्सर यानी विक्रम संवत 2082। इसे हिंदू नववर्ष कहा जाता है। साथ ही भारत के अलग-अलग हिस्सों में इस दिन उगादी और गुड़ी पड़वा भी मनाया जाता है। नवरात्रि के दौरान, नौ दिनों में से प्रत्येक दिन देवी दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित होता है, जिसमें पहले दिन माँ शैलपुत्री की पूजा की जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 120वें एपिसोड में हिंदू नववर्ष का जिक्र किया। उन्होंने देशवासियों को चैत्र नवरात्र, गुड़ी पड़वा और हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दी। पीएम ने कहा कि हिन्दू नववर्ष से भारतीय नववर्ष की भी शुरुआत हो रही है। यह विक्रम संवत 2082 की शुरुआत है। साथ ही आज गुड़ी पड़वा का भी दिन है। यह बेहद पावन दिन है। ये त्योहार भारत की विविधता में एकता का एहसास कराते हैं। विक्रम संवत की शुरुआत ईसा पूर्व 57 में हुई थी। इसे राजा चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने शुरू कराया था। यह संवत अंग्रेजी कैलेंडर से 57 साल आगे चलता है। विक्रम संवत को गणितीय दृष्टि से सबसे सटीक माना जाता है। विक्रम संवत के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही सृष्टि की शुरुआत का दिन माना जाता है। यह ब्रह्मा का भी पहला दिन है। उगादि या युगादि हिंदू पंचांग के अनुसार नए साल का पहला दिन है। इसे भारत के आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों में मनाया जाता है। उगादी की शुरुआत एक दिन पहले से ही हो जाती है। लोग अपने-अपने घरों को साफ-सुथरा करते हैं। इस दिन लोग अपने घर के सामने या बरामदे में आम के पत्तों से रंगोली बनाते हैं। कुछ लोग उगादि के दिन 6 स्वादों से युक्त भोजन खाते हैं। लोगों की मान्यता है कि जीवन अलग-अलग भावनाओं और संवेदनाओं का मिश्रण है, और हर एक भावना 1 स्वाद की तरह होता है।

पीएम मोदी बोले: आरएसएस अमर संस्कृति का वट वृक्ष

स्वयंसेवक का जीवन निस्वार्थ, हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे

नागपुर। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। वे सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यहां रहे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। बतौर प्रधानमंत्री मोदी का यह संघ मुख्यालय का पहला दौरा था। इससे पहले जुलाई 2013 में वह लोकसभा चुनाव के सिलसिले में हुई बैठक में शामिल होने नागपुर आए थे। प्रधानमंत्री ने संघ के माधव नेत्रालय के एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की स्पीच में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा की। उन्होंने संघ की तारीफ करते हुए कहा- राष्ट्रीय चेतना के लिए जो विचार 100 साल पहले बीज के रूप में बोया गया, वो आज महान वट वृक्ष के रूप में दुनिया के सामने है। ये अक्षय भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को लगातार ऊर्जावान बना रहा है। स्वयंसेवक के लिए सेवा ही जीवन है। हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में नजर डालें तो इसमें कई आक्रमण हुए। इतने आक्रमणों के बावजूद भी भारत की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई, उसकी लौ जलती रही। कठिन से कठिन दौर में भी इस चेतना को जागृत रखने के लिए नए सामाजिक आंदोलन होते रहे। भक्ति आंदोलन इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मध्यकाल के उस कठिन कालखंड में हमारे संतों ने भक्ति के विचारों से राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी। गुरु नानक देव, कबीरदास, तुलसीदास, सूरदास, संत तुकाराम, संत रामदेव, संत ज्ञानेश्वर जैसे महान संतों ने अपने मौलिक विचारों से समाज में प्राण फूंके। उन्होंने भेदभाव के बंधनों को तोड़कर समाज को एकता के सूत्र से जोड़ा। स्वामी विवेकानंद से लेकर डॉक्टर साहब तक, किसी ने भी राष्ट्रीय चेतना को बुझने नहीं दिया। राष्ट्रीय चेतना के जिस विचार का बीज 100 वर्ष पहले बोया गया था, वह आज एक महान वटवृक्ष के रूप में खड़ा है। सिद्धांत और आदर्श इस वटवृक्ष को ऊंचाई देते हैं, जबकि लाखों-करोड़ों स्वयंसेवक इसकी टहनियों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

बेंगलुरु-कामाख्या एक्सप्रेस डिरेल

एक की मौत, 8 लोग घायल

कटक। ओडिशा से रेल हादसे की खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि यहां कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। कटक में नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास यह हादसा हुआ है। दुर्घटना में एक शख्स की मौत हुई है, जबकि सात यात्री घायल भी हुए हैं। कटक में नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने के मामले में जिलाधिकारी (डीएम) दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने कहा, 'घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है... 8 लोग घायल हैं। जिन घायलों को रेफर करने की जरूरत थी और उन्हें बेहतर इलाज के लिए स्थानांतरित किया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। ट्रेन संख्या 12251 बेंगलुरु से असम के गुवाहाटी के कामाख्या स्टेशन जा रही थी। दुर्घटना के कारण का अब तक पता नहीं चल सका है। रेलवे प्रशासन ने बताया है कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए नई ट्रेन का बंदोबस्त किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को ओडिशा के कटक जिले में एक एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गई। सुबह 11.54 बजे मंगुली के पास निरगुंडी में एसएमवीटी बेंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे में अब तक सात लोग घायल हुए हैं। ओडिशा अग्निशमन सेवा के महानिदेशक सुधांशु सारंगी ने बताया कि सात घायल लोगों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है। घायल लोगों की अधिकतम संख्या 10 से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ और ओडिशा अग्निशमन सेवा के कर्मचारी बचाव अभियान में रेलवे की मदद कर रहे हैं।

चांद दिखाः आज मनाई जाएगी ईद

लखनऊ। चांद कमेटियों ने चांद देखने का दावा किया है। जिसके आधार पर कल ईद का त्योहार मनाए जाने की घोषणा कर दी गई है। लखनऊ में शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने चांद दिखने की तस्दीक की। ईद उल फित्र की नमाज बड़ी जमात ऐशबाग ईदगाह, टीले वाली मस्जिद और बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद में अदा की जाएगी। ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद ने कहा, ऐशबाग ईदगाह में इस साल भी ईद की नमाज में शामिल होने के लिए महिलाओं की अलग से व्यवस्था रहेगी। ईदगाह स्थित तैयब हाल में महिलाएं नमाज अदा करेंगी।

वैष्णो देवी में रोज लग रहा 30 क्विंटल चना-हलवे का भोग

कटरा। उस दिन से जम्मू रीजन का कठुआ जिला आतंकियों और सुरक्षा बलों की गोलीबारी से सहमा हुआ है, लेकिन वहां से 128 किमी दूर स्थित माता वैष्णो देवी के धाम कटरा में इसकी रत्तीभर भी सुगबुगाहट नहीं है। यहां की हवा में जयकारों की गूंज है। अर्द्धकुंवारी में प. बंगाल से आए भक्त श्राइन बोर्ड के लंगर से प्रसाद खाकर लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि अविस्मरणीय माहौल है। लंगर में आप कभी भी जाओ, गर्म खाना ही मिलेगा। सीईओ गर्ग के मुताबिक इस बार भीड़ ज्यादा है, इसलिए तीन अतिरिक्त लंगर शुरू किए हैं। कुल 6 लंगर हैं, जहां रोज 50 हजार लोगों के लिए खाना बन रहा है। यहां 24 घंटे की सेवा है। कोई भूखा नहीं जाएगा। मैं अभी माता वैष्णो देवी मंदिर के 12 किमी यात्रा मार्ग के एंट्री पॉइंट पर हूं। ये जगह श्रद्धालुओं से भरी हुई है और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने पहली बार एंट्री गेट के ही ठीक पीछे 2000 लोगों के रुकने के इंतजाम किए हैं। इसकी बुकिंग श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर ऑनलाइन कर सकते हैं। रविवार सुबह के 10 बज रहे हैं और करीब 8 हजार श्रद्धालु नवरात्र के पहले दिन माता के दर्शन के लिए यात्रा मार्ग पर आगे बढ़ चुके हैं। शनिवार को करीब 38 हजार ने पवित्र गुफा में माता के दर्शन किए थे। आम दिनों में यह संख्या 22 से 30 हजार के बीच होती है। श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग का कहना है कि आज 40 हजार से ज्यादा लोग आएंगे। भीड़ ज्यादा है, इसलिए रोज 30 क्विंटल चना और हलवे का प्रसाद बन रहा है, जो आम दिनों से 10 क्विंटल ज्यादा है। समुद्र तल से 5200 फीट ऊपर स्थित गुफा मंदिर में रोज की तरह माता की दो आरती हो रही हैं। एक सुबह तो दूसरी शाम सात बजे। गर्ग के मुताबिक इस बार तीन-चार नई सुविधाएं शुरू की हैं। जैसे- गुफा मंदिर में होने वाली अटका आरती और अर्द्धकुंवारी की गर्भगृह आरती में दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए स्लॉट रिजर्व किए हैं। इनकी बुकिंग ऑनलाइन की जा सकती है। बुजुर्गों व दिव्यांगों के लिए हेलिकॉप्टर और मुफ्त बैटरी कार सर्विस में 20% कोटा रखा है। हेलिकॉप्टर यात्रा का शुल्क 4200 रु. प्रति व्यक्ति है। वाटर एटीएम भी लगाए हैं। अर्द्धकुंवारी में 2000 यात्रियों के रुकने के लिए भवन बनाया है। इमरजेंसी में लोगों को रोकने के सभी इंतजाम वहां मिल जाएंगे। रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक परमवीर सिंह ने बताया कि पूरे रास्ते की निगरानी ड्रोन व 650 हाई रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरों से निगरानी कर रहे हैं। पहली बार दो कंट्रोल रूम बनाए हैं, जो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम की रेडियो तरंगों से यात्रा मार्ग पर भीड़ की स्थिति का आकलन कर इमरजेंसी अलर्ट देते हैं। मंदिर भवन के पास लगे 120 कैमरे फेस रिकग्निशन तकनीक से लैस हैं।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस नाथ बोले: नदियों की हालत देख चिंता होती है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि देश की नदियां देखकर चिंता होती है। ये गंदगी से भरी पड़ी हैं। मैं जब इन नदियों के किनारों को देखता हूं, तो मुझे पुरानी बातें याद आती हैं। ये पानी कभी कितना जीवंत और शुद्ध था। हम इनका गौरव बचाने में असमर्थ हैं, ये चिंता का विषय है। उन्होंने कहा- दिल्ली में पॉल्यूशन का लेवल खतरनाक हद तक है। हम सभी का मानना है कि हमारे बच्चों का ऐसे वातावरण में बड़ा होना कतई मंजूर नहीं, जहां उन्हें बाहर खेलने के लिए भी मास्क की जरूरत, कम उम्र में सांस संबंधी बीमारियों की चिंता हो। जस्टिस नाथ दिल्ली में विज्ञान भवन में पर्यावरण पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन - 2025 के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी थीं। कार्यक्रम में देश के अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी भी मौजूद थे। हमें ऐसे समाधान अपनाने की जरूरत है जो आर्थिक विकास और पर्यावरण की भलाई के बीच संतुलन बनाए रखें। सरकारी नीतियों को ग्रीन टेक्नोलॉजीज पर फोकस करना चाहिए। हमें एमिशन को रेगुलेट करने, क्लीन टेक्नोलॉजीज में इन्वेस्ट करने और सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट ऑप्शन के लिए साथ आना चाहिए। जिससे हमें सांस लेने वाली हवा से समझौता नहीं करना पड़े और आर्थिक प्रगति हो। मैं जब इन नदियों के किनारों को देखता हूं, तो मुझे पुरानी बातें याद आती हैं चिंता होती है। ये पानी कभी कितना जीवंत और शुद्ध था।

मथुरा में पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

मथुरा। कब्जा खाने गए पुलिस कर्मियों का मुस्लिम युवकों से विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो मौके पर भीड़ जुट गई। फिर हमलावरों ने पुलिस कर्मियों को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पुलिस वाले जान बचाकर भागे तो आरोपियों के साथ आई भीड़ ने उन पर पथराव कर दिया। हमले में 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने 24 नामजद और 14 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। 27 मार्च को देर रात हुई इस मारपीट का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद एसएसपी ने जांच कराई तो मामला खाने पीने से जुड़ा निकला। फिर एसएसपी ने 3 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया। घटना थाना कोसी कलां क्षेत्र की है। पुलिस की जांच से पहले 27 मार्च को चार पुलिसकर्मी निजी कार से सादी वर्दी में ओमन जोटी रोड स्थित नकासा मोहल्ले में एक दुकान में कबाब खाने गए थे। इनमें उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, फिरोज कुमार, सिपाही निखिलेश कुमार, अभिषेक सिवाग और कॉन्स्टेबल अंकित कुमार शामिल थे।

गाज़ियाबाद : नगर निगम पर लगा सीसी रोड निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप

पीएचएम विशेष संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम द्वारा वार्ड 58, शिवपुरी ए ब्लॉक में कराए जा रहे सीसी रोड और नाली निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता बेहद निम्न स्तर की है।

पुरानी ईंटों का उपयोग और जलनिकासी की समस्या

स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क निर्माण में पुरानी ईंटों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो कि मानकों के विरुद्ध है। इसके अलावा, नालियों के पानी को सही निकास न देकर सीधे सीवर लाइन में छोड़ा जा रहा है, जिससे क्षेत्र में जलभराव और गंदगी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है।

जेई पर भ्रष्टाचार के आरोप

निवासियों ने आरोप लगाया है कि संबंधित कनिष्ठ अभियंता (जेई) एवं ठेकेदार इस निर्माण कार्य में अनियमितताओं को बढ़ावा दे रहे हैं। निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है और मानकों का उल्लंघन किया जा रहा है, जिससे सड़क और नाली जल्द ही खराब हो सकती हैं।

जनता ने की उच्च स्तरीय जाँच की माँग

इस लापरवाही और भ्रष्टाचार के चलते जनता के करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग हो रहा है। नागरिकों ने नगर निगम से उच्च स्तरीय जाँच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की माँग की है। अब देखना यह होगा कि नगर निगम इस पर क्या कार्रवाई करता है और क्या प्रशासन के खिलाफ कोई ठोस कदम उठाए जाते हैं या नहीं।

आरएसएस मुख्यालय के साथ ही दीक्षाभूमि का दौरा कर मोदी ने गजब का राजनीतिक संतुलन साधा है

नीरज कुमार दुबे

भाजपा ने संघ के साथ संबंधों में सुधार किया जिसके चलते पार्टी को हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में विधानसभा चुनावों में जोरदार जीत मिली थी। दूसरी ओर, संघ और भाजपा के बीच मतभेदों को दोनों ही संगठनों के नेता नकारते हैं और कहते हैं कि ऐसी बातें वही लोग करते हैं जो भाजपा और संघ को नहीं समझते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर यात्रा के दौरान आरएसएस मुख्यालय स्थित हेडगेवार स्मृति मंदिर का दौरा कर नया इतिहास रच दिया क्योंकि संघ के 100 वर्षों के इतिहास में दूसरी बार देश का कोई प्रधानमंत्री राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय पहुँचा था। हम आपको याद दिला दें कि तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 2000 में अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान नागपुर में संघ मुख्यालय का दौरा किया था। संयोग देखिये कि मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान ही संघ मुख्यालय पहुँचे। मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष चौकन्ना रहा है वहीं इस यात्रा ने आरएसएस के भीतर भी कई लोगों को सुखद अचरज में डाल दिया है। वैसे कुल मिलाकर मोदी की इस यात्रा को भाजपा और आरएसएस द्वारा आपसी मतभेद दूर करने और एकजुट होने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान आरएसएस की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा उस समय से आगे बढ़ चुकी है जब उसे आरएसएस की जरूरत थी और अब वह 'सक्षम' है तथा अपने काम खुद करती है। नड्डा की इस टिप्पणी से संघ कार्यकर्ताओं में रोष उत्पन्न हो गया था और लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा और आरएसएस के बीच दूरी देखी गयी थी जिसका नुकसान भाजपा को लोकसभा में बहुमत गंवा कर उठाना पड़ा था।

हालांकि लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद भाजपा ने संघ के साथ संबंधों में सुधार किया जिसके चलते पार्टी को हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में विधानसभा चुनावों में जोरदार जीत मिली थी। दूसरी ओर, संघ और भाजपा के बीच मतभेदों को दोनों ही संगठनों के नेता नकारते हैं और कहते हैं कि ऐसी बातें वही लोग करते हैं जो भाजपा और संघ को नहीं समझते हैं। वैसे जानकारों का यह भी कहना है कि संघ को मुख्य आपत्ति इस बात पर थी कि भाजपा एक व्यक्ति केंद्रित पार्टी बनती जा रही है। हम आपको याद दिला दें कि साल 2014 के बाद "मोदी ब्रांड राजनीति" के तहत भाजपा सारे चुनाव लड़ती रही है। लोकसभा चुनावों के बाद भाजपा ने अन्य नेताओं को भी आगे बढ़ाया है और आने वाले समय में दूसरी पंक्ति के कई और नेताओं को बड़ी भूमिकाएं मिलने जा रही हैं। वैसे, आरएसएस के शताब्दी समारोह और बेंगलुरु में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से पहले प्रधानमंत्री की नागपुर यात्रा इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा जल्द ही अपने नये राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करने वाली है। हालांकि हाल ही में संघ की ओर से स्पष्ट किया गया था कि उसके सभी आनुषंगिक संगठन अपने कार्यों के बारे में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेते हैं लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि साल 2009 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को करारी हार के बाद मोहन भागवत के हस्तक्षेप के बाद ही लालकृष्ण आडवाणी युग समाप्त हुआ था और मोदी आगे लाये गये थे। साल 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद मोहन भागवत की कुछ टिप्पणियों को पार्टी नेतृत्व और प्रधानमंत्री मोदी की सीधी आलोचना के रूप में भी देखा गया था। इसलिए ऐसा हो नहीं सकता कि भाजपा अपने नये अध्यक्ष के नाम पर बिना संघ प्रमुख से चर्चा किये बिना फैसला कर ले।

हम आपको यह भी बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्रियों और वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने पूर्व में सावधानी बरतते हुए सरकार और संघ के बीच अंतर सुनिश्चित किया लेकिन मोदी चूंकि खुद संघ के प्रचारक रहे हैं इसलिए वह संघ की तारीफ करने में नहीं चूकते। हाल ही में तीन बड़े मौके आये जब मोदी ने अपने जीवन को सही मार्गदर्शन देने के लिए संघ का आभार जताया और इस सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने नागपुर में भी आरएसएस को एक ऐसे संगठन के रूप में संदर्भित किया जिसने समर्पण और सेवा के उत्कृष्ट सिद्धांतों को कायम रखा। साथ ही उन्होंने संघ की राष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिका को रेखांकित करके अपनी ₹2047 तक विकसित भारत की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दर्शाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में कुशलतापूर्ण भूमिका निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था। यही नहीं, जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता गठबंधन सरकार होने के बावजूद अपने मूल एजेंडे में शामिल मुद्दों पर आगे बढ़ने की बात कर रहे हैं वह इस बात का संकेतक है कि आरएसएस के कुछ मुख्य एजेंडे भाजपा की राजनीति में फिर से सबसे आगे आ रहे हैं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघ मुख्यालय के दौरे के साथ ही डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के अनुयायियों में से एक दीक्षाभूमि का भी दौरा कर राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में दिये गये अपने संबोधन में भी बाबा साहेब को याद किया और भारतीय संविधान की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने आरएसएस मुख्यालय में डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर का दौरा कर संघ के संस्थापकों को श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही वह दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। मोदी दीक्षाभूमि स्थित स्तूप के भीतर गए और वहां रखी अंबेडकर की अस्थियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने जहां आरएसएस को भारत की अमर संस्कृति का 'वट वृक्ष' बताया वहीं उन्होंने दीक्षाभूमि को सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। इस तरह मोदी ने नागपुर यात्रा से जो संदेश दिया है वह यह है कि भारतीय संविधान के दायरे में रह कर काम करते हुए अपने वैचारिक संगठन की विचारधारा को आगे बढ़ाते रहेंगे।

संपादकीय

साजिश का हो पर्दाफाश

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में कैश कांड के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि आंतरिक जांच चल रही है, निष्कर्ष आने के बाद प्रधान न्यायाधीश के पास कई विकल्प होंगे। उन्होंने कहा, जांच में कुछ गड़बड़ होने के संकेत मिलते हैं तो प्रधान न्यायाधीश परीक्षण के बाद प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दे सकते हैं या मामले को संसद भेज सकते हैं। अदालत ने कहा कि जांच करना अदालत का काम नहीं है, यह पुलिस द्वारा की जानी चाहिए। उधर सरकार ने वकीलों के भारी प्रतिरोध के बावजूद जज वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरित करने की अधिसूचना जारी कर दी। दिल्ली की एक अदालत वर्मा के सरकारी आवास में लगी आग के दौरान कथित रूप से भारी मात्रा में नकदी जलने की खबरें थीं। शीर्ष अदालत के अनुसार कार्यभार संभालने के बाद उन्हें फिलहाल कोई न्यायिक कार्य न सौंपा जाए। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान गृह मंत्री अमित शाह की भी एक सवाल पर प्रतिक्रिया आई थी कि सीजेआई की अनुमति के बगैर एफआईआर नहीं की जा सकती। वास्तव में सीजेआई ने इसका संज्ञान लिया और जजों की समिति को जांच का काम पहले ही सौंप दिया है। इसलिए मामले में गैर-जरूरी हस्तक्षेप से बचा जाना चाहिए। किसी भी गंभीर मसले में चर्चा पाने के लोभ में अति आतुरता उचित नहीं कही जा सकती। देश में दी गई व्यवस्था के अनुरूप कार्रवाई चालू है तो किसी को भी विलावजह उतावली में दिखाने की जरूरत नहीं। हालांकि सारे विवाद के दरम्यान पंजाब-हरियाणा की पूर्व जज जस्टिस निर्मल यादव को 2008 में पंद्रह लाख रुपये की रिश्वत के मामले में बरी कर दिया गया। स्पेशल सीबीआई अदालत ने फैसले में कहा कि पर्याप्त सबूत न मिलने व गवाहों के बयानों से पलट जाने से मामला कमजोर हो गया। जस्टिस जज के आवास से पैसे मिलने का ही या सरकते थे, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती क्योंकि न्याय की कुर्सी पर बैठने वाले सम्मानित शख्स को संदेहों से परे नजर आना जरूरी है। किन्हीं परिस्थितियों या साजिशों के कारण विवाद हुआ भी हो तो इसकी तह तक जाना लाजिमी है। यह न्याय व्यवस्था पर जानबूझकर खरोंच मारने की षड्यंत्रकारी साजिश भी हो सकती है जिसका न सिर्फ पर्दाफाश आवश्यक है, बल्कि ऐसी हिमाकत करने का प्रयास करने वालों को कड़ी सजा देकर नजीर पेश करना जरूरी है ताकि भविष्य में कोई इस तरह का खिलवाड़ करने की कोशिश करने से भी सिहर जाए।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेदारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं।

प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हों। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आतीं। परन्तु जमीन अथवा गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या निकटता और अपनेपन के कारण? अपनापन महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान हैं। और यदि यह पता चले कि ईश्वर साधारण है, तुम्हारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

चोर का धन चांडाल खाए, पापी मुंह देखता रह जाए

कमल जैन

बहुत पुरानी कहावत है चोर का धन चांडाल खाए पापी मुंह देखता रह जाए यह कहावत पीढ़ी दर पीढ़ी सुनाई जाती है। यह कहावत वर्तमान युग में भी ज्यादा सटीक बैठती है। वर्तमान समय में चोर, सूदखोर, लालची और अनैतिक ढंग से पाप का पैसा कमाने वाले लोगों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पाप की कमाई का धन वह स्वयं तो नहीं खा पाते हैं। उस धन का उपभोग चांडाल के भाव और ऐशो-आराम में होता है। जिसका धन होता है, वह डर और भय के मारे उसका उपभोग ही नहीं कर पाता है। वह जिसके पास और जहां धन रखता है। वह उसी का होकर रह जाता है। आज यह संपादकीय लिखने का मन इसलिए हुआ। दुबई से संचालित फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनियों में लाखों भारतीयों ने अपने काले धन को निवेश किया है। ब्याज और ज्यादा कमाई के लालच में अपनी पाप की कमाई को भारतीय, ऐसी कंपनियों में निवेश कर रहे हैं। जो ज्यादा ब्याज और मुनाफा देने का लालच देती हैं। महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए लोग अनैतिक रूप से भारी कमाई करते हैं। उस कमाई को छिपाने के लिए वह अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और बेनामी लोगों के नाम पर संपत्ति खरीद लेते हैं। ज्यादा कमाई और ब्याज के लालच में सूदखोरों के पास जमा करा देते हैं। कमाई के चक्कर में वह अपने अर्जित धन को स्वयं के ऊपर खर्च भी नहीं कर पाते हैं। चोर को हमेशा भय रहता है, चोरी का माल उसने खर्च किया, तो वह पकड़ लिया जाएगा। रिश्वतखोरों को डर रहता है, कि यदि उसने अपनी कमाई से ज्यादा खर्च किया, तो वह पकड़ा जाएगा। सूदखोर अपने धन का उपयोग इसलिए नहीं कर पाता है। उसे हमेशा लगा रहता है, यदि यह पैसा ब्याज में चला देंगे, तो इतनी कमाई होगी। करोड़ों रुपए कमाने वाला सूदखोर भी अपने और अपने परिवार के ऊपर धन को खर्च नहीं कर पाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति बड़े-बड़े उच्च पदों और सरकारी पदों पर बैठे हुए लोगों की होती है। जिनकी कमाई बहुत होती है, वह इसलिए खर्च नहीं कर पाते हैं। यदि वह खर्च करेंगे तो लोगों की नजर में आ जाएंगे। उनका पद खतरे में पड़ जाएगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारी जो पति-पत्नी के रिश्ते में थे। उन्होंने अरबों रुपए की कमाई रिश्वत के रूप में की थी। दोनों जब पकड़े गए और प्रकरण चलते-चलते दोनों की मृत्यु भी हो गई। वह अपने धन का उपयोग नहीं कर पाए। वर्तमान में लोगों का लालच इतना बढ़ गया है। वह अपने धन का उपयोग करने के स्थान पर ज्यादा कमाने के चक्कर में ऐसी कंपनियों में निवेश कर देते हैं, जहां से ज्यादा लाभ मिलने की संभावना होती है। दुबई से संचालित कंपनियों में अरबों रुपए का निवेश भारतीयों द्वारा किया गया है। कंपनी के संचालकों ने पहले भारत में धोखाधड़ी की, भारत से कमाया हुआ धोखाधड़ी का धन लेकर दुबई चले गए। नए नामों से कंपनियां खोल लीं। उनके एजेंट भारत में लालच देकर बड़े-बड़े धन्ना सेठों और अवैध कमाई वालों को दुबई लेकर जाते हैं। उनके ऊपर लाखों रुपए खर्च करते हैं। लालच देकर उनसे अरबों रुपए का निवेश करा लेते हैं, उसके बाद उनकी कंपनी और कर्ता-धर्ता गायब हो जाते हैं। उनके फोन भी बंद हो जाते हैं। जमा मूलधन गायब हो जाता है। धन वापसी के लिए वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। उन्होंने अनैतिक तरीके से वह धन कमाया होता है। भारत जैसे देश में आयकर विभाग से कमाई छिपाते हैं, टैक्स नहीं देते हैं। गलत तरीके से पैसा विदेश भेज देते हैं। ईडी और अन्य जांच एजेंसियों के डर से वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। अवैध तरीके से कमाया हुआ चोरी का धन उनके हाथ से निकलकर चांडालों के पास पहुंच जाता है। वहीं चांडाल उस पैसे पर ऐश करते हैं। देश और विदेशों में इस तरह के चांडाल बड़ी मात्रा में कुकुरमुत्ता की तरह लोगों के लालच को जगाते हैं। फिर उनका जमा धन हड़प कर लेते हैं। जब धन चला जाता है, तो वह रो भी नहीं पाते हैं। यदि वह रोएंगे तो मूर्ख भी समझे जाएंगे। सरकार उल्टा टैक्स वसूल करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। जो होगा वह भी चला जाएगा।

वर्तमान स्थिति में यह कहा जा सकता है। चोर, सूदखोर, लालची और पापी अपने कमाए धन का उपभोक्ता नहीं कर सकते हैं। उनके धन पर हमेशा डाकुओं और चांडालों का ही हक होता है। इस बात को हर कोई जानता है। मानता कोई नहीं है। जिसके कारण लोग लुटते हुए चले आ रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना लिखा रहता है, वहीं इसी आराम करते हैं। भारत में इस तरह की ठगी कर-के अरबों रुपया लूटकर हजारों लोग विदेश भाग गए हैं। जो लुटे हैं, वह उन्हें कोस रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना था। वह विदेश भाग कर वहां ऐश कर रहे हैं।

घोर कलयुग की दस्तक: नैतिक पतन के चलते खतरे में इंसानी रिश्ते

डॉ. सत्यवान सौरभ

समाज में कितना पतन बाकी है? यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है? महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने दो वर्ष के बेटे को मरवा दिया। पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर मर्चेंट नेवी के अफसर पति के टुकड़े-टुकड़े किये। पिता ने नौकर से अपने बेटे की हत्या करवायी। मां,बाप,भाई, दोस्त,पार्टनर को मारने की खबरें आम हैं। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। अपराध और नैतिक पतन की ये घटनाएं यह दर्शाती हैं कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्य और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएं समाचारों में ज्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं। हमें जरूरत है कि हम अच्छाई को भी उतना ही महत्व दें और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। इस पतन के कारणों को समझकर समाधान निकालना जरूरी है– परिवारों में संवाद बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, नैतिक शिक्षा को मजबूत करना और अपराध रोकने के लिए सख्त कदम उठाना। हमें यह भी सोचना होगा कि हम किस तरह के मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा समाज बना रहे हैं। समाज के पतन को पूरी तरह रोकना कठिन हो सकता है, लेकिन हम सब मिलकर इसे धीमा कर सकते हैं और सही दिशा में मोड़ सकते हैं।

आज के समय में जब हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर नजर डालते हैं, तो चारों ओर अपराध, धोखा, हिंसा और नैतिक पतन की खबरें देखने को मिलती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज घोर कलयुग के प्रभाव में प्रवेश कर चुका है। पारिवारिक सम्बंधों में विश्वास की कमी, नैतिक मूल्यों का ह्रास और भौतिक सुखों की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को कमजोर कर दिया है। समाज में नैतिकता, रिश्तों की अहमियत और मानवीय संवेदनाएं धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही हैं। हत्या, विश्वासघात, स्वार्थ, लालच और नैतिक पतन की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह देखकर ऐसा लगता है कि समाज एक अंधकारमय दौर की ओर बढ़ रहा है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। समाज में जिस तरह से नैतिक पतन बढ़ रहा है, वह केवल अपराधों को संख्या नहीं बल्कि पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने के टूटने का संकेत भी देता है।

समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहाँ रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और दोस्तों के बीच भी आजकल स्वार्थ और लालच हावी होता जा रहा है। परिवार, जो पहले प्रेम और सहयोग का केंद्र हुआ करता था, अब झगड़ों और आपसी मतभेदों का शिकार बनता जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर हत्या, बलात्कार, लूटपाट और धोखाधड़ी जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य तक एक-दूसरे के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का शोषण ही क्यों न करना पड़े। पहले लोग जीवन में धैर्य रखते थे, कठिनाइयों को सहन करते थे, लेकिन आजकल गुस्सा और अधीरता लोगों पर हावी हो गई है। छोटे-छोटे विवाद हिंसक रूप लेने लगे हैं। धर्म केवल दिखावे का साधन बनता जा रहा है, जबकि नैतिकता और ईमानदारी की कमी बढ़ती जा रही है। लोग दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं लेकिन खुद सही राह पर नहीं चलते। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जहाँ बुजुर्गों का मार्गदर्शन रहता था। लेकिन अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर पारिवारिक मूल्यों में कमी आ रही है। आर्थिक दबाव, रिश्तों में तनाव और व्यक्तिगत इच्छाओं के दबाव से लोग मानसिक रूप से अस्थिर हो रहे हैं, जिससे वे गलत फैसले लेते हैं। इंटरनेट पर हिंसा, अपराध और अनैतिकता को कहीं न कहीं सामान्य बना दिया गया है। लोग बिना सोचे-समझे गलत कदम उठा लेते हैं। स्कूलों और परिवारों में बच्चों को सही और गलत का फर्क कम सिखाया जा रहा है। लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। अपराधी जानते हैं कि सजा मिलने में देरी होगी या बचने का रास्ता मिल जाएगा, जिससे अपराधों की संख्या बढ़ रही है।

समाज में जो घटनाएं हो रही हैं, उन्हें देखकर यही लगता है कि हम घोर कलयुग के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। जहाँ पहले रिश्ते, प्रेम, सम्मान और नैतिकता को महत्व दिया जाता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच, क्रोध और हिंसा हावी होते जा रहे हैं। समाज में बढ़ते अपराधों को देखकर ऐसा लगता है कि इंसानियत, सहनशीलता और प्रेम धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे हैं। लेकिन अगर परिवार, समाज और सरकार मिलकर सही कदम उठाएँ, तो इस गिरावट को रोका जा सकता है। पारिवारिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने के लिए माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए, उन्हें नैतिक शिक्षा देनी चाहिए और सही-गलत का फर्क समझाना चाहिए। तनाव, अवसाद और गुस्से से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न किया जाए। जरूरत हो तो थेरेपी और काउंसलिंग को अपनाया जाए। अपराधियों को कड़ी सजा मिले और कानूनी प्रक्रिया तेज हो, ताकि अपराधियों में डर बना रहे। सकारात्मक कहानियों और नैतिकता से जुड़े कंटेंट को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे समाज में अच्छे मूल्यों की प्रेरणा मिले। स्कूलों में नैतिक शिक्षा, सहानुभूति और सामाजिक मूल्यों पर जोर दिया जाए। समाज में नैतिकता और इंसानियत बचाए रखने के लिए हम सबको अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। यह केवल सरकार या कानून का काम नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को अपने स्तर पर बदलाव लाने की जरूरत है।

घोर कलयुग के इस समय में भी अगर हम अपने कर्मों को सही दिशा में रखें, तो यह अंधकार थोड़ा कम हो सकता है। समाज में नैतिकता और इंसानियत बचाए रखने के लिए हमें खुद से शुरुआत करनी होगी। हम केवल सरकार और कानून व्यवस्था को दोष नहीं दे सकते, बल्कि हमें अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में बदलाव लाने होंगे। घोर कलयुग के इस समय में भी यदि हम अपने कर्मों को सही दिशा में रखें, तो समाज में अच्छाई का पुनर्जागरण संभव है। हमें यह तय करना होगा कि हम इस अंधकार में खो जाना चाहते हैं, या फिर अपने प्रयासों से रोशनी की एक नई किरण लाना चाहते हैं।

एडीएम गम्भीर सिंह की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय कमेटी बैठक आहूत

आमजमानस को शुद्ध एवं साफ-सुथरे खाद्य पदार्थ उपलब्ध हों: अपर जिलाधिकारी (नगर) गम्भीर सिंह

संवाददाता

गाजियाबाद। अपर जिलाधिकारी (नगर) महोदय, गाजियाबाद श्री गम्भीर सिंह की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, गाजियाबाद की जिला स्तरीय कमेटी बैठक विकास भवन रानी दुर्गावती सभागार, जनपद गाजियाबाद में सम्पन्न हुई। आरम्भ में सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय द्वारा खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा की गयी कार्यवाही के सम्बन्ध में उपस्थित प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। उनके द्वारा बताया गया कि विभाग द्वारा 1107 नमूने संग्रहीत किये गये जिसमें 517 प्रतिकूल अवमानक पाये गये, 458 प्रकरण में सक्षम न्यायालय में वाद दायर किये गये। न्याय निर्णायक अधिकारी द्वारा रिकार्ड 36285500 रुपए का अर्थदण्ड लगाया गया वहीं न्यायिक न्यायालय द्वारा 100000 रुपए का दण्ड एवं एक व्यक्ति को कारावास की सजा सुनायी गयी। भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण के द्वारा क्रियान्वित नवाचार कार्यक्रमों में क्रमशः ईट राइट कैम्पस, ईट राइट स्कूल, हाईजीन रेटिंग, पूजा स्थलों के भोग प्रसादम् प्रमाणीकरण व फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स में विभाग शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गयी है। अपर जिलाधिकारी (नगर), गाजियाबाद द्वारा यह सुझाव दिया गया कि स्ट्रीट फूड वेन्डर्स के उन्नयन हेतु नगर निगम के मुख्य सफाई निरीक्षक का सहयोग लिया जाये जिससे आमजनमानस शुद्ध एवं साफ-सुथरे खाद्य पदार्थ आनन्द ले सके। मण्डी समिति, साहिबाबाद सब्जी मण्डी साहिबाबाद के फ्रेश फ्रूट एण्ड वेजिटेबल मार्केट के प्रमाणीकरण में सहयोग की अपेक्षा की गयी है। आबकारी विभाग से यह अपेक्षा की गयी कि उनके द्वारा इस वित्तीय वर्ष में आबकारी को आबकारी का लाइसेन्स निर्गत किया गया है उनके खाद्य सुरक्षा एवं मानक एवं अधिनियम 2006 के अन्तर्गत अनुज्ञप्ति निर्गत कराने में सहयोग प्रदान करें।

जिला कार्यक्रम अधिकारी को आंगन बाड़ी केन्द्रों के निःशुल्क पंजीकरण हेतु भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण द्वारा संचालित आधिकारिक वेब साइट fos-cos.fssai.gov.in पर आवेदन करने के निर्देश दिये गये। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से विद्यालय में संचालित मीड-डे-मील के अन्तर्गत उपलब्ध कराये जा रहे खाद्य पदार्थ के सैम्पलिंग और खाद्य सुरक्षा जागरूक अभियान में सहयोग की अपेक्षा की गयी है। सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय द्वारा नवरात्र के पर्व में कुट्टू के आटे की मांग व खपत को देखते हुए व्यापारी संगठन से यह अपील की गयी कि वह इस बात का प्रचार व प्रसार करें कि ताजा कुट्टू के आटे का सेवन किया जाये। यदि उनके सदस्यों के खाद्य कारोबार परिसर में पुराना कुट्टू का आटा विक्रय हेतु भण्डारित है उसे तत्काल विनष्ट कर दें। व्यापार संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा ऑनलाइन विक्रय हो रहे खाद्य पदार्थों/औषधि के मानकों के विपरीत होने के सम्बन्ध में शिकायत की गयी। सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय द्वारा बताया गया कि इस सम्बन्ध में जो शिकायत मिलने पर प्रभावी कार्यवाही कर गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण किया जाता है।

व्यापारी संगठनों द्वारा जो लाइसेन्स कालातीत हो गये हैं उनके खाद्य कारोबार परिसरों के निरीक्षण पर आपत्ति प्रदर्शित की गयी। उक्त के सम्बन्ध में सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय द्वारा बताया गया कि उक्त निरीक्षण इस उद्देश्य से किया जाता है कि कहीं उस परिसर से खाद्य कारोबार संचालित तो नहीं हो रहा है। बैठक में आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए उपभोक्ताओं को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के निमित्त प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही के निर्देश दिये गये। साथ ही विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित कर खाद्य लाइसेन्स/पंजीकरण के वृद्धि के निर्देश दिये गये, जिन खाद्य कारोबारकर्ताओं के वार्षिक टर्न ओवर 12 लाख रुपए से अधिक उनका पंजीकरण का लाइसेन्स में परिवर्तन के निर्देश दिये गये। बैठक में खाद्य से सम्बन्धित विभिन्न विभागों के साथ-साथ उपभोक्ता प्रतिनिधि, प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मण्डल, गाजियाबाद, प्रतिनिधि औषधि विक्रेता संघ गाजियाबाद, सहायक आयुक्त खाद्य ग्रेड-द्वितीय, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, औषधि निरीक्षक एवं समस्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी तथा व्यापार मण्डल के प्रतिनिधि श्री सुशील अरोड़ा, श्री संदीप बंसल, श्री प्रवीन मित्तल, श्री राजेश त्यागी, श्री राजीव त्यागी इत्यादि मौजूद रहे।

क्या किसी अदालत ने कभी विचारों का

कत्ल करने वाले को सजा दी: मनजीत सिंह आध्यात्मिक गुरु

संवाददाता

गाजियाबाद। कत्ल किसी का भी हो, उसे सजा मिलनी ही चाहिए, चाहे तन का कत्ल किया हो या विचारों का सजा तो मिलनी ही चाहिए, क्या किसी अदालत में विचारों का कत्ल करने वाले को सजा दी, भावनाओं का कत्ल करने वाले को सजा दी धोखा देकर धन की लूट करने वाले को सजा दी जिंदगी की खुशियां छीन लेने वाले को सजा दी, जिंदगी का सुकून छीन लेने वाले को सजा दी, भविष्य पर चोट करने वाले को सजा दी परिवार के आगे बढ़ने के रास्तों पर रोक लगाने वालों को सजा दी पीड़ित इंसान के साथ-साथ परिवार की भावनाओं का कत्ल करने वालों को सजा दी आगे बढ़ने के रास्ते बंद कर देने वालों को सजा दी रिश्तों के कत्ल करने वालों को सजा दी मां बाप के रिश्ते में दीवार बनने वालों को सजा दी या रिश्तेदार जो उनके साथ मिलकर इस कत्ल में भागीदार रहे क्या उन्हें सजा दी समाज में एक तरफा सोच रखने वालों को क्या सजा दी मन का कत्ल करने से भी ज्यादा संगीन अपराध करने वालों को सजा दी यह बड़े सवाल है या तो जाग जाओ या उनका साथ छोड़ दो नहीं तो तुम भी सजा के हकदार हो हमारा समाज या कोई सामाजिक संस्था जो फतवा को फतवा नहीं कह पाते क्या उन्हें सजा मिली या ऐसे लोग जो आए दिन इस तरह के कत्ल कर रहे हैं क्या हम उन्हें सजा दे पाए, अब आप सोचें क्या आप भी जाने अनजाने में सहयोगी रहे तो आपको भी सजा मिलनी चाहिए सिर्फ लाभ के लिए नहीं ईमानदारी से जोड़ने चाहिए आप सोचें क्या आप अनजाने में इसी कत्ल करने वालों का साथ तो नहीं दे रहे अगर दे रहे हैं तो पीछे हट जाए नहीं तो इन सारे कत्ल में आप भी दोषी माने जाओगे दोषी दोषी तो हम सभी भी हैं हमारा भी फर्ज था कि जिन लोगों ने इतने कत्ल किए हैं उनको सजा दिलाने का देखते आपका जल्दी ठीक मनजीत बोल रहा हूं। वाहेगुरु ने मेरे हाथों से जो हाथ जो वाहेगुरु ने दिए उन हाथों से यह शब्द लिखवाए। ताकि यह शब्द आप तक पहुंच सके विचार अच्छे लगे तो इन्हें अमल में लाना। बेकार लगे तो फेंक देना मगर अच्छे विचारों की तलाश जरूर करना।

भारतीय किसान युवा जागरूक संगठन का लुहारली टोल पर प्रदर्शन

संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय किसान युवा जागरूक संगठन की सभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमलता ठाकुर व संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता वसीम अहमद सिद्दीकी ने किया सभा में किसानों के लिए आ रही समस्या के बारे में मंथन किया और किसानों को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन की रणनीति बनाई उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमलता ठाकुर राष्ट्रीय प्रवक्ता वसीम अहमद सिद्दीकी एवं जिला अध्यक्ष अमरीश भारद्वाज के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने किया प्रदर्शन सभी संगठन के लोगों ने टोल का घेराव कर टोल मैनेजर को दिया ज्ञापन। टोल मैनेजर द्वारा संगठन की सभी मांगों को स्वीकार कर लिया ज्ञापन दर्जनों गाड़ी से सैकड़ों लोगों के साथ काफिला के साथ टोल पर पहुंचे भारतीय किसान युवा जागरूक संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष लता ठाकुर ने कहा कि हमारा संगठन किसानों के साथ-साथ गरीबों की भी आवाज उठाता है आज हमने लोहारली टोल पर ज्ञापन दिया जिसमें किसानों की गाड़ियों का आवागमन फ्री करने के लिए दिया गया है। राष्ट्रीय प्रवक्ता वसीम अहमद सिद्दीकी ने कहा आज हमने किसानों की समस्याओं को देखते हुए टोल मैनेजर को जिन मांगों को लेकर ज्ञापन दिया जिसमें मैनेजर ने ज्ञापन स्वीकार कर तत्काल हमारी मांग पूरी की भारत देश कृषि प्रधान देश है जिसमें किसानों को उनका हक मिलना चाहिए। जिला अध्यक्ष अमरीश भारद्वाज ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने-अपने आई कार्ड बनवाएं और अपनी-अपनी गाड़ी पर संगठन की पट्टी जरूर लगाएं जिससे टोल पर आवागमन पर कोई परेशानी ना हो। मेरठ मंडल उपाध्यक्ष विहान शास्त्री ने कहा कि हमारा संगठन किसानों के साथ-साथ गरीब मजदूरों के अधिकारों के साथ है हम किसान हैं फसल उगाते हैं उन उगाते हैं जिससे पूंजीपति और उद्योगपतियों का गुजारा चलता है। इस दौरान सैकड़ों संगठन के साथी मौजूद रहे।

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के दूसरे चरण का बुक एक्सचेंज मेला 30 मार्च को होगा आयोजित

संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा लगाए जा रहे निःशुल्क बुक एक्सचेंज मेले का पहला चरण जो कि राजनगर में 22 एवं 23 मार्च को आयोजित किया गया था बेहद सफल रहा इस अनूठे पुस्तक मेले में हजारों अभिभावकों ने आकर आपस में किताब कॉपी ड्रेस एक्सचेंज कर भरपूर लाभ उठाया अब जीपीए की टीम द्वारा दूसरे चरण के बुक एक्सचेंज मेले के आयोजन की तैयारी जोरो शोरो से की जा रही है यह मेला 30 मार्च को नॉर्थ आईड, डेल्टा कॉलोनी, कड़ कड़ मॉडल, राधाकुंज, ब्रिज विहार में आयोजित किया जाएगा इस बुक एक्सचेंज मेले का उद्घाटन और मुख्य प्रवक्ता कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी द्वारा किया जाएगा गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन से सीमा त्यागी और विवेक कुमार का कहना है कि हम दूसरे चरण के बुक एक्सचेंज मेले में ज्यादा से ज्यादा अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया से लेकर अन्य सभी माध्यम से प्रचार प्रसार कर रहे हैं हम जिले के सभी अभिभावकों से अपील करते हैं कि पुस्तक एक्सचेंज मेले और सरकार की जनकल्याण की योजनाओं का लाभ लेने के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचें। इस बुक एक्सचेंज मेले में आकर जहां पैरेंट्स निजी स्कूलों द्वारा कॉपी किताब, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म के नाम पर की जा रही लूट से राहत पा सकते हैं वहीं किताब कॉपी के नाम पर कटे जाने वाले पेड़ों को कटने से बचाकर पर्यावरण को भी सुरक्षित कर सकते हैं।

आर्थिक और कानूनी सहायता के लिए नयी पहल

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत देश की आम जनता की आर्थिक एवं कानूनी समस्याओं के समाधान एवं सुझाव हेतु भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रफीमार्ग रोड स्थित प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में देश के जुनिंदा समाज सेवियों श्री श्याम सुंदर चौहान (वरिष्ठ भाजपा नेता, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश), पंडित अशोक भारतीय (राष्ट्रीय संयोजक विश्व ब्रह्मर्षि ब्राह्मण महासभा गाजियाबाद), श्री ओम प्रकाश सिंह (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सेवानिवृत्ति, आगरा), श्री राजेंद्र प्रसाद जैसवार (सी.ए.ओ.(सेवानिवृत्त), टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, वाराणसी, उत्तर प्रदेश), श्री प्रसाद पुरुषोत्तम पासवान वरिष्ठ समाजसेवी एवं (राष्ट्रीय अध्यक्ष बुनकर महासंघ, महाराष्ट्र) जैसे समाजसेवकों ने आर्थिक एवं कानूनी सहायता के लिए पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। पत्रकार वार्ता में देश की बढ़ती जनसंख्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए देश हित में अपराधों पर नियंत्रण कानून व्यवस्था में सुधार एवं सामाजिक संतुलन कायम रखने के लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून तुरंत लागू करने की मांग की गई तथा सांसदों और विधायकों की पेंशन व्यवस्था में सुधार करके उनके अनेकों बार निर्वाचित होने पर अनेकों बार की पेंशन न देकर केवल एक बार ही पेंशन देने की मांग की गई एवं त्वरित न्याय व्यवस्था लागू करने की मांग भी की गई। वरिष्ठ भाजपा नेता श्री श्याम सुन्दर चौहान ने आज घोषणा की कि उन्होंने आम जनता की आर्थिक और कानूनी समस्याओं के समाधान में मदद करने के लिए एक नई पहल की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाना और उन्हें अपने अधिकारों और अवसरों का उपयोग करने के लिए सही जानकारी और सहायता प्रदान करना है। भारत में वर्तमान समय में कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो समाज और विकास को प्रभावित कर रहे हैं। हमारे देश की ताकत हमारी आम जनता है, वे नागरिक जो अपने परिवारों और समाज के लिए हर दिन नई चुनौतियों का सामना करते हैं। लेकिन आर्थिक और कानूनी बाधाएं अक्सर उनके जीवन में बड़ी मुश्किलें पैदा करती हैं। समाज में आय और संसाधनों का असमान वितरण गरीबी को बढ़ावा देता है। हमारा उद्देश्य स्पष्ट है कि ऐसी समस्याओं के व्यावहारिक और सुलभ समाधान प्रस्तुत करना, जो हर नागरिक के लिए उपलब्ध और प्रभावी हों। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। सभी वक्ताओं ने आधुनिक शिक्षा प्रणाली में भी सुधार करने की मांग की। इस अवसर पर वक्ताओं ने सरल ऋण व्यवस्था और रोजगार के अवसरों को सुलभ बनाने की मांग की तथा इसे लागू करने के लिए सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के सहयोग से कम ब्याज पर ऋण देने की योजना बनाने की भी मांग की। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को सुलभ और सरल बनाने पर भी चर्चा की गई, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोगों को समान रूप से लाभ मिल सके। ऋण और रोजगार योजनाओं की जानकारी देने के लिए सार्वजनिक अभियान चलाने एवं समस्याओं को हल करने के लिए हेल्पलाइन और सहायता केंद्र की अधिक से अधिक स्थापना करने की बात भी रखी। आम नागरिकों की तुलना में सांसदों और विधायकों को अधिक लाभ मिलना असंतुलन पैदा करता है। इसके अलावा जनसंख्या नियंत्रण कानून पर कठोर निर्णय लेने की मांग की क्योंकि जनसंख्या नियंत्रण कानून हमारे देश हित व विकास के लिए महत्वपूर्ण है जनसंख्या वृद्धि के कारण संसाधनों का उपयोग असंतुलित हो गया है। बढ़ती आबादी का असर कृषि योग्य भूमि जल और खनिजों जैसे प्राकृतिक साधनों पर सीधे पड़ रहा है शहरीकरण की तेजता बढ़ने से पर्यावरण क्षति और प्रदूषण की समस्याएं सामने आ रही हैं रोजगार के अवसर सीमित होने कारण बेरोजगारी की दर में वृद्धि हो रही है कम जनसंख्या का मतलब प्राकृतिक संसाधनों पर कम दबाव होगा जनसंख्या नियंत्रण कानून अति आवश्यक है यह कानून केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपना योगदान देना चाहिए ऐसी मांग मंच से की गई महिलाओं को सशक्त करके राष्ट्र को मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम करने को अपील की गई।

संक्षिप्त डायरी

संजय कश्यप बने पुनः गेल डायरेक्टर, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

संवाददाता

गाजियाबाद। भाजपा एससी/एसटी प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक एडवोकेट संजय कश्यप को भारत सरकार के तेल विभाग में पुनः डायरेक्टर पद की जिम्मेदारी मिलने पर कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर मुरादनगर विधानसभा के विधायक अजीत पाल त्यागी, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष विनोद शर्मा, राजनगर मंडल अध्यक्ष नीरज त्यागी सहित महेन्द्र सिंह, सोनू भाटी, मनीष मित्तल, तनुज खन्ना और अनिल अरोड़ा ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

राजनगर मंडल के सोशल मीडिया प्रभारी मनीष मित्तल को जन्मदिन की बधाई

संवाददाता

गाजियाबाद। भाजपा के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल और मुरादनगर विधान सभा विधायक अजीत पाल त्यागी ने राजनगर मंडल के सोशल मीडिया प्रभारी मनीष मित्तल को जन्मदिन की बधाई दी। जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर और मिठाई खिलाकर बड़े हर्षोल्लास के साथ बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जन्मदिवस के अवसर पर राजनगर मंडल के अध्यक्ष नीरज त्यागी, प्रदीप चौधरी, विनोद शर्मा, जयप्रकाश अग्रवाल मोनू त्यागी, तनुज खन्ना, अनिल अरोड़ा, अमित रंजन, संजय कौशिक, हरमीत बक्शी, राम त्यागी, रणवीर ठाकुर, गौरव दुग्गल, अंकुश अरोड़ा, सोनू भाटी आदि ने जन्मदिन की बधाई दी।

श्री धर्मपाल तंवर जी की पगड़ी रस्म में उमड़ा जन सैलाब

संवाददाता

दिल्ली। फतेहपुर बेरी में श्री धर्मपाल तंवर जी की पगड़ी रस्म में समाज के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही और उन्होंने नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। जिसमें श्री वीरेंद्र कुमार कर्दम, नेताजी, भारतीय जनता पार्टी, गाजियाबाद से, वरिष्ठ समाज सेवी श्री कीर्ति लाल जी, श्री पीसी जी, श्री सूरज प्रकाश जी, श्री धर्मी जी, श्री दिल्ली पुलिस के एसआई श्री सुनील कुमार जी श्री राम रतन सिंह जी श्री पवन सिंह जी फरीदाबाद से श्री ओम प्रकाश तंवर जी और श्री शिवराम जी, उमेश चंद जी, लक्ष्मी नगर से श्री गौतम सिंह जी शामिल हुए।

जनता से मधुर व्यवहार कर समस्या निपटाएं विद्युत अधिकारी: दिनेश कुमार गोयल सभापति

संवाददाता

मुजफ्फरनगर। दिनेश कुमार गोयल, सभापति प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था संबंधी जांच समिति की अध्यक्षता में मुजफ्फरनगर कलेक्ट्रेट में नार्द ऑफ ऑनर के पश्चात समिति के सदस्यों के साथ व उमेश मिश्रा जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर एवं जिला मुजफ्फरनगर से विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ मिलकर जनपद मुजफ्फरनगर के विद्युत विभाग से सम्बन्धित कार्यों की समीक्षा बैठक की। साथ ही विद्युत विभाग से सम्बन्धित बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारियों को जनता से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण शीघ्र किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। मुजफ्फरनगर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। सभापति दिनेश कुमार गोयल जी ने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो गया है इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि जिस भी क्षेत्र में ट्रांसफार्मर आदि खराब होता है उसको तुरन्त बदलवाया जाए एवं विद्युत बिलों की गड़बड़ी, नये कनेक्शन, तार बदलवाने जाने सम्बन्धी शिकायतों का निर्धारित समय सीमा तक कर उनका निस्तारण किया जाए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकारी जनता से मधुर व्यवहार कर समस्याओं का निस्तारण करें। इस बैठक के दौरान सभापति दिनेश कुमार गोयल के साथ विजय बहादुर पाठक, विजेंद्र सिंह सैफ सदस्य विधान परिषद व विद्युत विभाग से सम्बन्धित सभी उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

मुस्लिम वोटों के तुष्टिकरण के लिए 2027 में सपा के सफाया का कारण न बन जाए सपा सांसद का ब्यान: पुनीत गोस्वामी

संवाददाता

गाजियाबाद। हाल ही में देश की सबसे बड़ी पंचायत यानी संसद भवन में कह सकते हैं भारत की दूसरी बड़ी राजनीतिक पार्टी समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद ने जो राणा सांगा और बाबर को लेकर ब्यान दिया उससे बड़ी हलचल क्षत्रिय क्षेत्रों में उत्पन्न हो गई, जिसका परिणाम आम लोगों ने न्यूज पर देखा होगा परन्तु बड़ा गंभीर मामला जब बना जब 50 से ज्यादा ठाकुर जैसे करणी सेना, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा आदि क्षत्रिय संगठन के लोगों को थाने में बंद किया गया क्यूंकि कहीं ना कहीं एक मनसा फैलायी थी की जात के ठाकुर योगी आदित्य नाथ इनका साथ देंगे, पर वहीं सपा के द्वारा एक बड़ा गेम खेला गया था और भविष्य में भी खेला जाएगा उसका नाम है दलित कार्ड, जैसा की उत्तर प्रदेश की राजनीतिक पंडित जानते हैं उत्तर प्रदेश का दलित (मायावती समर्थक) जहाँ सपा नहीं सरकार बनती रही है, क्यूंकि रामजीलाल सुमन एक दलित है तो यह एकाएक होना ही था, क्यूंकि ठाकुर चाह कर भी भाजपा का बहिष्कार नहीं कर सकते, इस लेख के माध्यम से बाबा बनू या योगी आदित्य नाथ से पूछना चाहूंगा आप कहां हो और कौन आपका सलाहकार है, अगर कोई मुस्लिम का ब्यान देता तो आपका बुलडोजर तुरंत तैयार हो जाता, आपके अंदर वाले भी दुश्मन और बाहर वाले भी, समय की कोई चाल नहीं होती समय खुद अपनी चाल चलता है, निर्णय आपको कुछ देना चाह रही है लेकिन आप नहीं उठाए गिने हुए दिन दिखेंगे।

अखिलेश बोले- पुलिस ने मुझे ईदगाह आने से रोका

आधे घंटे तक फ्लीट रोके रही; मैं तानाशाही समझूं या इमरजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ईद पर लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह पहुंचे। यहां उन्होंने यूपी पुलिस पर बड़ा आरोप लगाया। कहा- जब मैं यहां आ रहा था तो जानबूझकर पुलिस ने मुझे रोक लिया। आधे घंटे तक मैंने बातचीत की। उसके बाद मुझे आगे जाने दिया गया। जब मैंने जानना चाहा कि आखिरकार ऐसा क्यों किया जा रहा है तो किसी अधिकारी के पास कोई जवाब नहीं था। मैं इसे क्या समझूं? तानाशाही या इमरजेंसी। क्या ऐसा दबाव इसलिए बनाया जा रहा है कि हम दूसरे लोगों के समारोह में शामिल न हों? मुझे भी याद है कि मैं पहली बार पिताजी (मुलायम यादव) के साथ यहां आया था। तब से हर साल यहां आता हूं और लोगों को बधाई देता हूं। बीजेपी पर देश संविधान से नहीं चल रही है। वहीं, इस मामले में डीसीपी पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव से बात की गई तो उन्होंने कहा- हो सकता है किसी वजह से रुके हों, इसकी पूरी जानकारी मुझे नहीं है। IAS अभिषेक प्रकाश मुद्दे पर अखिलेश ने कहा- सीएम तक सबको सब अधिकारी जानता है। भ्रष्टाचार साबित हो गया है। मुझे किसी से जानकारी मिली है कि वह आईएएस अधिकारी सीएम आवास में छिपा हुआ है। 2- बीजेपी वाले जान और माल की गिनती नहीं करेंगे। वक्फ के मुद्दे पर अखिलेश ने कहा- धर्म के बारे में उनसे ज्यादा कौन जानता होगा? बीजेपी वाले जान और माल की गिनती नहीं बताएंगे। न मरने वालों की गिनती बताएंगे। बजट आखिर कहां खर्च हो रहा है, ये भी नहीं बताएंगे। बीजेपी सरकार सिर्फ चुनावी फायदे के लिए फैसले ले रही है। लोगों को मुद्दों से भटकाने का काम कर रही है। यह सरकार डर ऑफ ड्रग कल्चर, डर ऑफ ड्रग एंड टेकिंग कमीशन, डर ऑफ ड्रग घोटाला को छिपा रही है। इस सरकार में जनता की कोई सुनवाई नहीं हो रही। पुलिस-प्रशासन से लेकर मोहल्ला तक को खरीदने की कोशिश हो रही है। 4- मैं चाहता हूं कि सीएम बिहार जाएं। ममता बनर्जी सही कह रही हैं, बिहार और बंगाल में बीजेपी झूठा प्रचार कर रही है। मैं चाहता हूं कि सीएम बिहार जाएं। बीजेपी ने अब तक जितने भी फैसले लिए हैं, वो सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए लिए हैं। वक्फ देश के वक्फ बिल के खिलाफ है। सपा भी इस बिल का विरोध करती है और ये बिल जब सदन में आएगा इसका विरोध किया जाएगा। 5- यह मिठास सालभर याद रहती है, यह मिठास सालभर याद रहती है। यहां आपसे मिलकर जाता हूं और सेवई भी खाने को मिलती है। यह जो मिठास है, पूरे साल याद रहती है। फिर हम लोग इंतजार करते हैं। अगले साल फिर ईद पर सेवई खाने और गले मिलने का मौका मिलेगा। 6- हम सब गले मिले, यही हमारे देश की खूबसूरती आज पूरे प्रदेश, देश और दुनिया के सभी लोगों को मैं बहुत-बहुत मुबारकबाद देता हूं। ईद का त्योहार हम सभी एक-दूसरे से गले मिलकर खुशी के साथ मनाते हैं और उम्मीद करते हैं कि हम सब गले मिलकर एक-दूसरे का सम्मान करें। यही हमारे देश की खूबसूरती है, जहां अलग-अलग धर्मों के रास्ते पर चलने वाले लोग एक साथ मिलकर रहते हैं।

संक्षिप्त डायरी

दरोगा को पीटकर खतरनाक चोट पहुंचाने के चार गुनाहगारों को पांच-पांच साल की सजा के साथ ही हुआ पांच-पांच हजार का जुर्माना

संवाददाता

एडीजीसी- चन्द्र प्रकाश गोस्वामी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में 29 अक्टूबर 2009 को अभियुक्तों ने एक राय होकर लाठी डण्डों से जान से मारने की नियत से दरोगा के सर में खतरनाक चोट पहुंचाने के साथ मारपीट करने के दौरान सर्विस पिस्टल नीचे गिर जाने के साथ ही पिस्टल मिल जाना जबकि मैगजीन और कारतूस न मिलना जबकि पीड़ित के चोटें भी आई थी, गैर इरादतन हत्या सहित लोक सेवक के कार्यों में रुकावट पैदा करने के इस मामले में मुस्करा पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम उपरहका निवासी सुखनन्द पुत्र सीताराम राजपूत, कल्लू पुत्र सुखनन्द राजपूत, रामबाबू पुत्र मंगल राजपूत, खेमा उर्फ खलक सिंह पुत्र सुखनन्द राजपूत, रंजीत पुत्र शेखर, रूप पुत्र कल्लू राजपूत, निरपत पुत्र परीक्षित सहित सात लोगों के खिलाफ मु0अ0सं0-270/2014 धारा147,148,149,307,353,332,427 आईपीसी सहित 7 सीएलए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था, जबकि ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत हमीरपुर की एडीजे फर्स्ट अदालत के स्पेशल जज ने जनपद हमीरपुर के हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त (एचएस नं0-40ए) 1.सुखनन्द पुत्र सीताराम राजपूत, हिस्ट्रीशीटर अभि0(एचएस नं0-75ए) 2.कल्लू पुत्र सुखनन्द राजपूत हिस्ट्रीशीटर अभि0(एचएस नं0-39ए)3.रामबाबू पुत्र मंगल राजपूत सहित अभियुक्त 4.खेमा उर्फ खलक सिंह पुत्र सुखनन्द राजपूत को धारा-308/34,332,353 आईपीसी के तहत गुनाहगार मानते हुये चारों अभियुक्तों को पांच-पांच साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना, वहीं निरपत पुत्र परीक्षित, रूप पुत्र कल्लू राजपूत सहित रंजीत पुत्र शेखर को बेगुनाह मानते हुये बरी कर दिया गया, जबकि मामले की जांच एस आई रामसनेही पाल ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी, वहीं अभियोजन की तरफ से एडीजीसी चन्द्रप्रकाश गोस्वामी ने मामले की दमदार पैरवी करते हुये बचाव पक्ष की दलीलों की हवा निकाल दी।

हमीरपुर की जरिया पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की जरिया पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत दर्ज मामले में धारा 87/137(2)/64/127(2) बीएनएस सहित 3/4 पाक्सो के तहत थाना क्षेत्र के 22 वर्षीय ममकहरी निवासी बाबूराम पुत्र भगवानदास पाल जरिया हमीरपुर को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में एस आई दिनेश प्रसाद, कांस्टेबल विनय कुमार सहित महिला सिपाही कुन्ती देवी शामिल रही।

चाइनीज मांझे से कटी युवक की गर्दन

बिजनौर। के नजीबाबाद में चाइनीज मांझे से एक और गंभीर हादसा सामने आया है। मोहल्ला मुगलगंज निवासी अब्दुल मन्नान बाइक से कोटद्वार जा रहे थे। मंडी समिति के पास पतंग का मांझा उनकी गर्दन में फंस गया। गर्दन में गहरी चोट के कारण वे लहूलुहान हो गए। मांझा बेचने वालों पर हो कार्रवाई परिजन तुरंत उन्हें अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने गर्दन में कई टांके लगाए। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि जिले में चाइनीज मांझे से यह पहला हादसा नहीं है। इससे पहले भी कई लोग घायल हो चुके हैं। पुलिस प्रशासन समय-समय पर चाइनीज मांझे के खिलाफ अभियान चलाता है। लेकिन इस तरह की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। घायल अब्दुल मन्नान के परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस-प्रशासन से मांग की है। वे चाहते हैं कि चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। साथ ही इसे बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

आपरेटिव फेडरेशन के वाल्मीकि त्रिपाठी बने अध्यक्ष

संवाददाता

कसया, कुशीनगर।

बुद्ध इन्टर कालेज वेतन भोगी ऋण सहकारी समिति लिमिटेड कुशीनगर के सचिव सूर्य प्रकाश को वित्तीय वर्ष 2023-24 में वेतन भोगी ऋण सहकारी में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु देवरिया कसया जिला सहकारी बैंक लि० देवरिया के सभापति रवीन्द्र प्रताप मल्ल तथा अध्यक्ष उ प्र को-आपरेटिव फेडरेशन ने अंगवस्त्र व प्रशस्तिपत्र देकर बैंक के वार्षिकोत्सव में सम्मानित किया। मल्ल ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में सरकार विशेष ध्यान दे रही है देवरिया सहकारी बैंक का प्रदेश में मुरादाबाद के बाद दूसरा स्थान है। इसमें बुद्ध इन्टर कालेज कुशीनगर वेतन भोगी समिति का विशेष योगदान है। त्रिपाठी ने कहा कि भगवान राम ने कंस मारा था, कृष्ण ने ग्वालों के साथ सहकार कर किया था। जिले मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्यारेलाल ने भी सचिव सूर्य प्रकाश के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की। सचिव सूर्य प्रकाश ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि समिति कार्य में विशेष मार्गदर्शन पूर्व सचिव सुरेश प्रसाद गुप्ता से प्राप्त होता रहा है। विद्यालय के प्रबन्धक ओमप्रकाश दुबे, सभापति/प्रधानाचार्य उमेश उपाध्याय, उप सभापति आलोक कुमार, कोषाध्यक्ष राम प्रेम कुमार मिश्र, वरुण कुमार राय, अखिल कुमार दुबे, लाल बहादुर, सुधीर कुमार, नेहा त्रिपाठी, आलोक उपाध्याय, जगदीश सिंह, रवीन्द्र राय, लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी, अरविन्द राय, राजेश राय, महेन्द्र पाण्डेय, मायाराम वर्मा वेद प्रकाश मिश्र, उपेन्द्र प्रसाद, नागेन्द्र पाण्डेय आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

भूकंप में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए भिक्षुओं ने किया शांति पाठ

संवाददाता

कुशीनगर। बीते शुक्रवार को म्यांमार और थाईलैंड आए भूकम्प मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने को लेकर भिक्षु संघ कुशीनगर के अध्यक्ष और स्थानीय म्यांमार मंदिर के प्रमुख एबी ज्ञानेश्वर के नेतृत्व में भिक्षुओं और उपासकों ने बुद्ध वंदना और शांति पाठ की। भूकंप पीड़ितों को सहायता पहुंचाने का निर्णय भी लिया गया और भिक्षुओं और उपासकों ने कोष में दान किया। सोमवार की सुबह मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में लामा मंदिर, थाई मंदिर और अन्य बुद्ध विहारों के पहुंचे भिक्षु अशोक, भिक्षु नंदका, भिक्षु डा. नंदरतन, भिक्षु अग्गर चुन सा, श्री प्रज्ञा सूर, प्रा जुट, भिक्षु धम्मपाल, भिक्षु उपाली, भिक्षु तिस्स कोरि और उपासकों ने बुद्ध की लेटी प्रतिमा के समक्ष बैठकर शांति पाठ किया और भूकंप में मारे गए लोगों की आत्मा को शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। भंते ज्ञानेश्वर ने बताया कि भूकंप से म्यांमार में जान माल की काफी क्षति हुई है। भूकंप पीड़ितों के राहत के लिए भिक्षु संघ द्वारा कोष बनाकर धन संग्रह किया जा रहा है। जो दिल्ली में म्यांमार के राजदूत को सौंपा जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक धन भूकंप पीड़ितों के राहत के लिए देने की अपील की। इसके लिए क्यू आर कोड भी संघ द्वारा जारी किया गया है।

इस दौरान म्यांमार और थाई के उपासकों के अलावा टीके राय, राम नगीना, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गौंड, सूरज यादव, गौतम शर्मा आदि गाइड मौजूद थे।

योगी सरकार ने आठ वर्षों में किए ऐतिहासिक कार्य : ओमप्रकाश जायसवाल

संवाददाता

कुशीनगर। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे घर घर संपर्क अभियान के तहत दीपिका कुशुर्मी में नगर मंडल अध्यक्ष अक्षय पाण्डेय और भाजपा नेता ओमप्रकाश जायसवाल ने जन संपर्क कर सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की। भाजपा नेता श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में प्रदेश ने कानून-व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण तथा सड़क निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक व उल्लेखनीय कार्य हुआ है। जनकल्याणकारी योजनाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया।

कानून व्यवस्था काफी मजबूत होने के साथ अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई भी हो रहा है। इस दौरान सेक्टर संयोजक ओम प्रकाश भाटिया, बूथ अध्यक्ष अजय गिरि, बूथ अध्यक्ष ईश्वर प्रसाद भाटिया सहित मण्डल पदाधिकारी गण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवविवाहिता के गले से महिला ने दांतों से काटा हार

अमरोहा। के नौगांवा सादात स्थित प्राचीन काली मंदिर में एक महिला चोर ने अनोखे तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। नवविवाहित गांव के मंदिर में एक नवविवाहित जोड़ा प्रसाद चढ़ाने आया था। रामपुर कुवरपुर निवासी मुकेश चौहान अपनी पत्नी के साथ मंदिर में जात लगाने पहुंचे थे। इस दौरान एक महिला ने उनकी पत्नी के तीन तोले सोने के हार को निशाना बनाया। महिला चोर ने चतुराई से अपने दांतों का इस्तेमाल कर हार की रस्सी को काट करके हार लेकर भाग गई। मंदिर में लगे सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई। कैमरे की फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि महिला किस तरह दांतों से हार की रस्सी काट रही है। चोरी किए गए हार की कीमत लगभग तीन लाख रुपए है। यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी दो अन्य महिलाएं इसी तरह की चोरी का शिकार हो चुकी हैं। बार-बार की घटनाओं के बाद मंदिर प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ईद पर मुस्लिम समुदाय ने दुनिया की सलामती के लिए अदा की नमाज

संवाददाता

कुशीनगर। जनपद में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद-उल-फितर का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। इस मौके पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाहों में नमाज अदा की और परिवार व दुनिया की सलामती की दुआ अल्लाह से मांगी। एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। सोमवार को सुबह कसया, पडरौना, हाटा, खड्डा, तमकुहीराज, कप्तानगंज तहसीलों के नगर, कस्बों, गांवों और टोलों में बने ईदगाहों में लोगों ने नमाज पढ़ी। इस अवसर पर ईदगाहों पर मेले का आयोजन भी हुआ। इस मौके पर लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी और मीठी सेवइयां खाई और खिलाई तथा गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। सेल्फी ली और सोशल मीडिया पर शेयर किया। मजहब के अनुसार लोगों ने गरीबों को फितरा, जकात, खैरात दी। नगरपालिका परिषद के सिसवनिया, भठिही, नवीतोले, केवटा फाजिलनगरी, सबया, रामनगर, दुमही, नौका टोला के ईदगाहों में मौलानाओं ने नमाज पढ़ाई। नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल, सभासद विनय राय, सभासद गौरव अध्यक्ष चेतन सिंह, सभासद विनोद प्रताप सिंह, सभासद निखिलेश सिंह, सभासद प्रतिनिधि सर्वेन्द्र सिंह ने लोगों को ईद की बधाई दी। नगरपालिका कुशीनगर के मल्लूडीह में रेड क्रिसेन्ट ग्रुप के चेयरमैन आलमगीर अंसारी और उनके परिवार के सदस्यों ने लोगों को ईद की मुबारकबाद दी और मीठी सिवईयां खिलाकर भाईचारा का संदेश दिया।

फाजिलनगर में फ्लाईओवर स्वीकृत, कस्बे में जश्न का माहौल

संवाददाता

कुशीनगर/फाजिलनगर में फ्लाईओवर स्वीकृत होने की खबर से क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गई है। कस्बे में जश्न का माहौल है। ज्ञातव्य है कि क्षेत्रीय सांसद शशांक मणि और विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा कुछ माह पहले केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर फ्लाईओवर की मांग रखी थी, जिसे अब स्वीकृति मिल गई है। यह जानकारी होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और व्यापारियों ने भाजपा के कैम्प कार्यालय पहुंचकर क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा को माला पहनाकर तथा मुंह मीठा कराकर भव्य स्वागत किया। कस्बे से निकलने वाले एनएच 28 जाटेचौराहा पर आए दिन दुर्घटनाग्रस्त होकर लोगों के हताहत होने से क्षेत्रीय लोग लम्बे अरसे से उक्त क्रासिंग पर ओवरब्रिज की मांग कर रहे थे। जबकि व्यापारी पहले से बने ओवर ब्रिज के चलते व्यापार प्रभावित होने का हवाला देकर ओवर ब्रिज की जगह फ्लाईओवर की मांग कर रहे थे।

पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि पशुपतिनाथ जायसवाल ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद फाजिलनगर के विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। उन्होंने कहा यह फ्लाईओवर केवल एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास का प्रतीक है। इससे न केवल यातायात व्यवस्था सुगम होगी बल्कि स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि जब भाजपा सरकार बनी,

तब पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा के प्रयासों से फाजिलनगर और दुदही को नगर पंचायत का दर्जा मिला। वहीं वर्तमान विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा फाजिलनगर विधानसभा को विकसित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। जिनमें रजवटिया में बहुदेशीय हब परियोजना, कटेया मैनुद्दीन में मिनी स्टेडियम, सुमही में विद्युत उपकेंद्र और चौरा खास जैसी बड़ी योजनाएं शामिल हैं। अब फ्लाईओवर की स्वीकृति से फाजिलनगर को जाम की समस्या से निजात मिलेगी और यातायात व्यवस्था सुगम हो जाएगी। फाजिलनगर भाजपा कैम्प कार्यालय पहुंचने पर विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा और पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा का भाजपा कार्यकर्ताओं और व्यापारियों ने फूल मालाएं पहनाकर तथा मुंह मीठा कराकर स्वागत अभिनन्दन किया। व्यापार मंडल अध्यक्ष रामानंद गुप्ता ने कहा कि फ्लाईओवर फाजिलनगर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने इसे क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग बताया और कहा कि इसके निर्माण से सुविधाएं बढ़ेंगी। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता इंद्रजीत सिंह कुशवाहा, व्यापार मंडल महामंत्री व्यास सिंह, संरक्षक ओमप्रकाश चौरसिया, जेडीयू के पूर्व जिला नेता मनीष गौंड, आत्मा चौरसिया, दिलीप जायसवाल, नंदलाल कालक, उमेश गुप्ता, वीरेंद्र कुशवाहा, राजा सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

धामपुर में जंगल में मिली युवक की खोपड़ी

धामपुर। कालागढ़ रेंज में 33 केवी बिजलीघर के पास जंगल से एक युवक की खोपड़ी बरामद हुई है। वन विभाग और उत्तराखंड पुलिस की टीम ने खोपड़ी को अपने कब्जे में ले लिया है। परिजनों ने खोपड़ी की पहचान एक सप्ताह पूर्व लापता हुए भारत सिंह के रूप में की है। भारत सिंह के परिजन पिछले एक सप्ताह से उनकी तलाश कर रहे थे। वन विभाग और पुलिस की टीमें अब मृतक के शरीर के अन्य अवशेषों की तलाश में जुटी हैं।

घटनास्थल के आसपास संयुक्त रूप से कॉम्बिंग अभियान चलाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में बाघ द्वारा हमला कर युवक का शिकार किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

दिल्ली की जेलों की हालत बदत्तर, क्षमता से पांच गुना ज्यादा कैदी हैं बंद

-तिहाड़, मंडोली और रोहिणी जेलों में कैदियों की संख्या चिंताजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जेलों में क्षमता से ज्यादा कैदी होने से गंभीर समस्या पैदा हो गई है। वर्तमान में राजधानी की 16 जेलों में 10 हजार कैदियों की क्षमता के मुकाबले करीब 19 हजार कैदी बंद हैं। यह स्थिति तब है जब 2023 में एक हजार से ज्यादा अंडरट्रायल कैदियों को रिहा किया गया था। दिल्ली सरकार ने विधानसभा सत्र के दौरान जेलों की स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की, जिसमें तिहाड़, मंडोली और रोहिणी जेलों में कैदियों की संख्या निर्धारित रूप से ज्यादा पाई गई।

कुछ जेलों में तो क्षमता से पांच गुना ज्यादा कैदी बंद हैं। तिहाड़ की जेल नंबर 1 की स्थिति सबसे खराब है। इस जेल की क्षमता केवल 565 कैदियों की है, लेकिन मार्च 2025 के आंकड़ों के मुताबिक यहां 2,436 कैदी रखे गए हैं। इसी तरह, तिहाड़ की जेल नंबर 4 में 740 कैदियों की जगह 3,244 कैदी हैं। मंडोली जेल के कुछ परिसरों में कैदियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। जेल नंबर 15, जिसमें सिर्फ उच्च सुरक्षा वाले कैदी रखे जाते हैं जिनकी क्षमता 248 कैदियों की है, लेकिन यहां केवल 108 कैदी हैं।

इसी तरह जेल नंबर 14 और 16 में भी क्षमता से कम कैदी हैं। दिल्ली की जेलों में अंडरट्रायल कैदियों की संख्या सजायाफ्ता कैदियों से करीब आठ गुना ज्यादा है। 2024 के आखिर तक जहां 17,118 अंडरट्रायल कैदी थे, वहीं सिर्फ 2,235 सजायाफ्ता कैदी मौजूद थे। पिछले पांच सालों में यह संख्या बढ़ रही है। कैदियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जेल प्रशासन ने सुरक्षा के उपाय भी बढ़ा दिए हैं। तिहाड़ में 15 मोबाइल जैमर लगाए गए हैं।

दिल्ली की जेलों में कुल 7,549 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिससे औसतन हर 5 कैदियों पर 2 कैमरों की निगरानी की जाती है। 15 डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर, 610 बॉडी-वॉर्न कैमरे और 23 एक्स-रे बैगेज स्कैनर लगाए गए हैं। जेलों में हिंसा रोकने के लिए सीआरपीएफ, आईटीबीपी और तमिलनाडु स्पेशल पुलिस की क्विक रिएक्शन टीमें तैनात की गई हैं। दिल्ली में नरेला और बापरोला में नए जेल परिसरों के निर्माण की योजना बनाई गई है। इस परियोजना के लिए 40 एकड़ जमीन डीडीए ने आवंटित कर दी है। पहले चरण में 256 कैदियों की क्षमता वाली उच्च सुरक्षा जेल बनाई जाएगी। इसका निर्माण अगले 6 महीने में शुरू होगा और 2 साल में पूरा हो जाएगा। बापरोला जेल के लिए भूमि आवंटन अभी डीडीए में लंबित है। कैदियों की संख्या के साथ-साथ जेल प्रशासन पर होने वाला खर्च भी बढ़ रहा है। 2019-20 में जेलों का बजट 490 करोड़ था। साल 2023-24 में यह बढ़कर 595 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

प्रियंका गांधी वाड्रा के काफिले को यूट्यूबर अनीस अब्राहम ने रोका, पुलिस ने गिरफ्तार किया

तिरुवनंतपुरम। केरल पुलिस ने यूट्यूबर अनीस अब्राहम को प्रियंका गांधी वाड्रा के काफिले को रोकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक यूट्यूबर अब्राहम ने कांग्रेस नेता के पायलट वाहन में बजाए जा रहे हॉर्न से नाराज होकर काफिले के आगे कार खड़ी कर दी थी। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। हालांकि बाद में अब्राहम को पुलिस स्टेशन से ही जमानत मिल गई। अब पुलिस काफिला रोकने के अन्य कारणों की जांच कर रही है।

सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के काफिले को रोकने की घटना तब हुई जब प्रियंका मलप्पुरम से कोझिकोड एयरपोर्ट जा रही थीं। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र और मलप्पुरम जिले में कई कार्यक्रमों में भाग लिया था। जब वे मंजुरी बायपास जंक्शन पर पहुंचीं, तभी एक कार सवार ने काफिले के सामने अचानक बीच सड़क पर कार रोक दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान यूट्यूबर अनीस अब्राहम के तौर पर हुई। वे एलनाडु के रहने वाले हैं। अनीस सांसद के पायलट वाहन के हॉर्न बजने से नाराज थे। मंजुरी सब इंस्पेक्टर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जब रुकावट को हटाने की कोशिश की, तब अब्राहम ने पुलिसकर्मी से झगड़ा भी किया। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब्राहम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन पर काफिले को जानबूझकर रोकने, जीवन को खतरे में डालने और पुलिस के आदेशों की अवहेलना करने का आरोप है। अब्राहम को स्टेशन से जमानत पर रिहा किया गया है, मामले की जांच अभी जारी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अब्राहम ने काफिले को क्यों रोका, क्या इसके पीछे कोई और वजह थी? पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। यूट्यूबर की कार भी जब्त कर ली गई है।

50 साल की मुस्लिम महिला ने 14वें बच्चे को जन्म दिया

हापुड़ (एजेंसी)। हापुड़ से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 50 साल की मुस्लिम महिला ने 14वें बच्चे को जन्म दिया है। महिला के सबसे बड़े बेटे की उम्र 22 वर्ष है, जबकि सबसे छोटे बच्चे की उम्र 3 साल है। 14वें बच्चे के जन्म की पूरे क्षेत्र में खूब चर्चा हो रही है। महिला के परिजनों ने बताया कि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। बक्सरपुरी के रहने वाले इमामुद्दीन के घर एक बार फिर बच्चे की किलकारी गूंजी है। इमामुद्दीन की पत्नी गुड़िया ने 14वें बच्चे को जन्म दिया है। इमामुद्दीन ने बताया कि उनकी पत्नी को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया जा रहा था कि तभी अस्पताल के गेट पर ही सरकारी एंबुलेंस में एक लड़की को जन्म दिया है। इसके बाद अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्य कर्मचारियों और डॉक्टरों ने गुड़िया को स्ट्रेचर पर लेटाकर एंबुलेंस से उतारकर भर्ती कराया और उसका इलाज किया। इसके अगले दिन जच्चा-बच्चा दोनों को डॉक्टरों ने डिस्चार्ज कर दिया। जिला अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हेमलता ने बताया, गर्भवती महिला को लेबर पेन के साथ एंबुलेंस में लाया गया था, बच्चा आधा बाहर आ चुका था। हमने तुरंत अस्पताल में डिलीवरी पूरी की। प्रसूता गुड़िया के 22 साल के सबसे बड़े बेटे ने बताया, अब हम 11 भाई-बहन हैं। तीन बच्चों की पहले मृत्यु हो चुकी है। कुल 14 बच्चे हुए हैं। सबसे छोटे भाई की उम्र 3 साल है। गुड़िया के बच्चों की डिलीवरी में एक साल का अंतर भी रहा है, जो इस मामले को और भी चर्चा का विषय बनाता है।

25 लाख की इनामी नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। दंतेवाड़ा और बीजापुर बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 25 लाख की इनामी महिला नक्सली लीडर रेणुका उर्फ बानु को ढेर कर दिया। रेणुका दक्षिण सब जोनल कमेटी मेंबर थी। शव के साथ एक इंसास राइफल, गोला बारूद बरामद किया गया। सोमवार सुबह नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों की टीम निकली थी। करीब 9 बजे जवानों का सामना नक्सलियों से हो गया। दोनों ओर से काफी देर तक फायरिंग हुई। इससे पहले 25 मार्च को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ सुधाकर समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर रेंज में जवानों ने इस साल अब तक मारे गए 119 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं।

बीएसएफ और बीजीबी के जवानों मिलकर मनाई ईद, एक-दूसरे को बांटी मिठाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने उत्तर बंगाल सीमा पर कई सीमावर्ती स्थानों पर मिठाइयों और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करके ईद-उल-फितर मनाया। इस सद्भावनापूर्ण इशारे ने दोनों बलों के बीच सौहार्द की दीर्घकालिक परंपरा को मजबूत किया। दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मियों ने इस आदान-प्रदान में भाग लिया, जो आपसी सम्मान और मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में सीमा पर शांति, सद्भाव और सहयोग बनाए रखने के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। इस तरह के समारोह एक वार्षिक परंपरा बन गए हैं, जिनसे राजनीतिक संबंध और मजबूत हुए हैं तथा दोनों पड़ोसी देशों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा मिला है। ईद-उल-फितर, जिसे 'उपवास तोड़ने का त्योहार' भी कहा जाता है, इस्लामी कैलेंडर में सबसे महत्वपूर्ण उत्सवों में से एक है। यह रमजान के समापन का प्रतीक है, जो दुनिया भर के मुसलमानों द्वारा सूर्योदय से सूर्यास्त तक आध्यात्मिक अनुशासन के रूप में मनाया जाने वाला उपवास का महीना है। यह त्योहार प्रार्थना, विशेष भोजन, परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर और दान-पुण्य के कार्यों के साथ मनाया जाता है, जो उदारता और एकता की भावना को दर्शाता है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा-लाल और गेरुआ एक हुए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा में हुई हिंसा को लेकर भाजपा और लेफ्ट पर एक-दूसरे के साथ मिलकर राजनीति करने का आरोप लगाया। ममता ने बिना नाम लिए दावा किया कि ये दोनों पार्टियां मिलकर दंगे भड़काने की कोशिश कर रही हैं। "रमजान खत्म हो रहा है, मैं इसके लिए भी शुभकामनाएं देती हूं, लेकिन हम चाहते हैं कि कोई भी अशांति न फैलाए। ममता सोमवार को ईद के अवसर पर कोलकाता में इबादत पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार दंगों को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सभी धर्मों के लिए अपने जीवन का बलिदान करने के लिए तैयार हैं। ममता ने कहा कि बहुमत का कर्तव्य अल्पसंख्यक की रक्षा करना है और अल्पसंख्यकों का कर्तव्य बहुसंख्यकों के साथ रहना है। हम किसी को दंगा नहीं करने देंगे। हमारी एक ही आवाज है, दंगे रोकना। दरअसल, पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबाड़ी में 27 मार्च को दो गुटों के बीच हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक 26 मार्च को मोथाबाड़ी मस्जिद में नमाज हो रही थी। इस दौरान वहां से एक जुलूस गुजर रहा था, तभी कुछ लोगों ने धार्मिक नारे लगाए। 27 मार्च को दूसरे समुदाय ने इसका विरोध किया। इस दौरान भीड़ ने दुकानों, घरों और गाड़ियों में तोड़फोड़ और लूट की।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में बवाल : 53 छात्रों को हिरासत में लिया, बाद में छोड़ा

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद विश्वविद्यालय में तनाव बढ़ता ही जा रही है। अब परिसर के एक हिस्से को साफ करने आए बुलडोजर के विरोध में विश्वविद्यालय के छात्र प्रदर्शन करने लगे। इसके बाद छात्रों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया, जिसके बाद परिसर में तनाव और ज्यादा बढ़ गया। हालांकि मामले के शांत होते ही छात्रों को रिहा कर दिया गया। बता दें कि मामले में जब रविवार को छात्रों ने साइट पर बुलडोजर देखा, तो वे वहां पहुंचे और विरोध करने लगे। कुछ छात्र मशीनों पर चढ़ गए, पुलिस के खिलाफ नारे लगाए और मांग की कि वे वापस जाएं। पुलिस ने 53 छात्रों को एहतियातन हिरासत में लिया, लेकिन बाद में सभी को रिहा कर दिया गया।

कुणाल कामरा के समर्थन में उतरे पीके, उनका कोई राजनैतिक मकसद नहीं

पटना (एजेंसी)। जन सुराज संस्थापक और पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कॉमेडियन कुणाल कामरा के समर्थन में उतर आए हैं। कामरा पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर मजाक करने का आरोप है। पीके ने कहा कि कामरा की कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा न गलत इरादे से कही गई बात नहीं है। प्रशांत किशोर ने कामरा को अपना दोस्त बताया। उन्होंने उन आरोपों को खारिज किया कि कामरा किसी राजनीतिक एजेंडे के तहत काम कर रहे हैं। पीके के अनुसार, कामरा फिलहाल पुडुचेरी में रहते हैं और लेकिन छोड़ी करते हैं। स्टैंड-अप कॉमेडी उनका शौक है। बीते हफ्ते, मुंबई में मौजूद हैबिटेट कॉमेडी क्लब में कामरा ने शिंदे सीएम शिंदे पर कुछ टिप्पणियां की थीं, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया था।

उनके एक पैरोडी गाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिस पर शिवसेना समर्थकों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। शिवसेना कार्यकर्ताओं ने कॉमेडी क्लब और होटल में तोड़फोड़ की थी। शिवसेना विधायक मुर्जी पटेल की शिकायत पर कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मद्रास हाई कोर्ट ने कामरा को अंतरिम जमानत दे दी है। प्रशांत किशोर ने कहा, कुणाल कामरा मेरे दोस्त हैं। उन्होंने कुछ ऐसी बातें कहीं जिससे विवाद हो गया। लेकिन, मैं जितना उन्हें जानता हूं, उनका कोई छिपा हुआ मकसद नहीं है। उनकी कोई राजनीतिक दुश्मनी नहीं है और वे उन लोगों में से हैं जो भारत में अपने देश से प्यार करते हैं। शायद उन्होंने अपने शब्दों का चयन गलत किया। अगर उन्होंने कुछ गलत किया है, तब कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि वह देश और उसके लोकतंत्र का सम्मान करते हैं।

बीते 28 मार्च को मद्रास हाई कोर्ट ने कामरा को अंतरिम जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि कामरा को तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के वानूर में न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने एक बांड भरना होगा।

क्या बिहार में लालू का जंगलराज वहां सटीक पैतरा, जिससे एनडीए की जीत होती हैं पक्की

भाजपा के चाणक्य शाह ने बिहार दौरे में जंगलराज को खूब उछाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। बिहार की राजनीति में एनडीए ने वर्ष 2005 से 2025 तक सत्ता का सिरे चलता रहा। इस काल में सत्ता के वर्षों की गिनती जरूर बढ़ती रही, मगर चुनावी मुद्दे में कोई बदलाव नहीं दिखाई दिया। एनडीए ने राष्ट्रीय जनता दल के खिलाफ जंगलराज उठाई, तब पहला शब्द जंगल राज ही निकला। वर्ष 2005 में भी चुनावी प्रचार ने क्राइम मुद्दा, सुशासन और विकास का स्थान जंगल राज के बाद आया। आज 20 साल बाद 2025 के दौरान भी चुनावी दंगल में उसी अमित शाह का मुद्दा जंगल राज ही बनकर उभरा।

बिहार विधान सभा चुनाव की तैयारी के दौरान बिहार आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चुनावी बात में जंगल राज का ठप्पा लगा गए। अपने भाषण में दो टूक कहा कि 1990 से 2005 तक शासन काल जंगल राज के नाम से जाना जाता था। इस कार्यकाल में अपहरण, रेप की घटनाएं ज्यादा होती थीं। लालू यादव ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। यही कहा था कि लालू-राबड़ी की सरकार में बिहार बर्बाद हुआ। लालू से एक प्रश्न पूछता हूं कि आप यूपीए में मंत्री रहे, तब अपने केंद्र सरकार से बिहार क्या लिया? लालू-राबड़ी की सरकार में बिहार बर्बाद हुआ है।

लालू पर हमलावर केंद्रीय गृह मंत्री शाह यहीं नहीं रुके। अब शाह ने कहा कि एनडीए सरकार में बिहार का विकास हुआ है। बीते 10 वर्ष में पीएम नरेंद्र मोदी ने 60 करोड़ गरीबों के लिए काम किया। नाम, कुबेर सरकार में अहम रोल निभाने वाले लालू यादव ने बिहार के गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। पीएम मोदी ने गरीबों को मदद के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य काम किया। स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए काम से सबसे ज्यादा फायदा बिहार को होने वाला है। आप नरेंद्र मोदी पर भरोसा कीजिए, और बिहार में एनडीए की सरकार बना दीजिए। हम वादा करते हैं पांच साल फिर शुरू होंगी। 8000 करोड़ से पुलों का निर्माण हो रहा है। बिहार में मखाना बोर्ड बनाया गया है।

दरअसल, भाजपा के चाणक्य शाह शायद बखूबी लालू पर यूं ही नहीं हमलावर है। इस बार शाह को लालू यादव का वही स्वरूप याद आ रहा है, जिन्होंने आरक्षण के रथ पर सवार होकर भाजपा को आरक्षण विरोधी करार देकर उनके वर्षों में जीत दोहराई थी। 2015 में लालू का एक मुद्दा आरक्षण मिला था। इस बार लालू दो पहली उतारकर भाग रहे हैं। लालू जबकि कोई संयोजन जिन को मुस्लिम विरोधी अपनाने लगे हैं और साथ ही 65 प्रतिशत आरक्षण को नवीं अनुसूची में नहीं डालने को आवाज जोर बढ़ाने लगे हैं। आखिर ऐसा क्या है कि चुनावी जंग में राजद के विरुद्ध या महागठबंधन के विरुद्ध, एनडीए का पलड़ा तीर जंगल राज के नाम से क्यों कूदा रहा है? दरअसल जंगल राज के नाम पर करीब 30 प्रतिशत जाति वालों की गोलबंदी हो जाती है। इस नाम पर सवर्ण और वैश्य सहित ऐसी कई छोटी-छोटी जातियां जिनका जीवन व्यवसाय से चलता है, वे गोलबंद हो जाती हैं। तब भाजपा या एनडीए राजद के एमवाई यानी मुस्लिम और यादव के 32 प्रतिशत मत का जवाब बनकर सामने आती है। यानी सुशासन, विकास और विकास के मुद्दे एनडीए के जीत का मार्ग प्रशस्त करती है। पिछले कुछ चुनाव में राजद के ए टू जेड का कमाल दिखा और सवर्ण मत में सेंधमारी भी राजद ने की। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के कई सवर्ण नेताओं को हार देखनी पड़ी। इनमें आरा से पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह, औरंगाबाद से पूर्व सांसद सुशील सिंह और बक्सर से मिथिलेश तिवारी को हार का सामना करना पड़ा। वे दीगर कि बेगूसराय से गिरिराज सिंह, मोतिहारी से राधामोहन सिंह, पटना साहिब से रवि शंकर प्रसाद और छपरा से राजीव प्रताप रूडी को जीत हुई थी।

झारखंड में हाथियों का उत्पात, 4 दिन में 7 लोगों को कुचलकर मार डाला

रांची (एजेंसी)। झारखंड में हाथियों का उत्पात बढ़ गया है। यहां मात्र 4 दिन में 7 लोगों को हाथी मौत के घाट उतार चुके हैं। गुमला जिले के रायडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत जेमडेरा जामटोली जंगल में महुआ चुनने गए 45 वर्षीय जेम्स कुजूर को जंगली सूअर हाथी ने कुचल डाला। उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बाद में पुलिस और वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उनका शव-विच्छेदन कराकर किया। इसी तरह अल्बर्ट एक्का प्रखंड में हाथी ने 73 वर्षीय कालोटर एक्का को उनके घर के पास ही सूंड से लपेटकर पटक डाला। गंभीर रूप से घायल हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

इसके बाद वह हाथी पड़ोस के जमीन गांव पहुंचा, जहां शौच के लिए खेत की तरफ गए 50 वर्षीय लक्ष्य अरविंद सिंह उजाबरा को भी पटक कर जख्मी कर दिया। इससे पहले गुमला को गुमला के पालकोट थाना के बाघीटोंगरी में शौच के लिए खेत की तरफ गए क्रिस्टोफर एक्का को भी हाथी ने कुचलकर मार डाला था। उसी दिन इस हाथी ने तेतरटोली गांव में पैदल से लाश निकल रही हेमवती देवी को सूंड से लपेटकर पटक दिया, जिससे उनकी भी तत्काल मौत हो गई थी। बीते गुरुवार और शुक्रवार को हाथी ने पड़ोस के सिमडेगा जिले में तीन लोगों को कुचलकर मार डाला था। महाबुआंग थाना क्षेत्र के कुदरगी डोकोटोली में शुक्रवार को घर के बाहर सोए विकास जोहनसन लोहरा हाथी के हमले में मारे गए थे। गुरुवार को सुबह सिमडेगा के बानो थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव में हाथी ने 45 वर्षीय विलियम सुरीन को कुचलकर मार डाला था। ग्रामीणों के अनुसार, ये दो तीन हाथी अपने झुंड से बिछड़ गए हैं और पिछले चार-पांच दिनों से गुमला-सिमडेगा जिले के गांवों में घूम-घूमकर उत्पात मचा रहे हैं। इन हाथियों ने कई घरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। जिस भी इलाके में हाथी पहुंच रहे हैं, वहां अफरा-तफरी मच जा रही है। मशाल जलाकर और ढोल नगाड़ा बजाकर हाथियों को भगाने की ग्रामीणों की कोशिश भी नाकाम हुई है।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता पर केंद्र से चार हफ्तों में मांगी जानकारी

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के मुद्दे पर जानकारी पेश करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को चार हफ्ते का समय दिया है। आरोप है कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है और यह सवाल कई वर्षों से चर्चा में है। इसी मुद्दे पर एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस मामले में हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी।

न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति अजय कुमार श्रीवास्तव-प्रथम की खंडपीठ ने यह आदेश कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया। याची ने राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता मामले में सीबीआई जांच की मांग भी की थी। इससे पहले कोर्ट ने केंद्र सरकार को राहुल गांधी की नागरिकता मामले में कार्रवाई का ब्योरा पेश करने के लिए 24 मार्च तक का समय दिया था। पहले, कोर्ट ने केंद्र से पूछा था कि याचिकाकर्ता के प्रत्यावेदन पर क्या कार्रवाई की गई है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सैनिकों पर विवादास्पद टिप्पणी करने के मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी की ओर से कोर्ट में उनके वकील ने प्रार्थनापत्र लगाया। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 29 अप्रैल की तारीख तय की है।

गौरतलब है कि सीमा सड़क संगठन के सेवानिवृत्त निदेशक (भारतीय सेना में कर्नल के पद के समकक्ष) उदय शंकर श्रीवास्तव की ओर से वकील ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। उन्होंने बताया था कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पत्रकार वार्ता कर रहे थे। इस दौरान राहुल गांधी ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर भारतीय सेना और चीनी सेना के बीच हुई झड़प का जिक्र किया। कहा कि 'लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में क्या-क्या पूछेंगे, लेकिन चीनी सैनिकों द्वारा हमारे सैनिकों की पिटाई के बारे में एक बार भी सवाल नहीं पूछेंगे'। मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने राहुल गांधी को बतौर आरोपी तलब किया था।

भीषण गर्मी के लिए रहें तैयार, अप्रैल-जून में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार को चेतावनी दी कि अप्रैल से जून का मौसम सामान्य से अधिक गर्म होगा और मध्य और पूर्वी भारत तथा उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों सहित कई राज्यों में अधिक लू चलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहेगा। उन्होंने कहा, अप्रैल से जून तक उत्तर और पूर्वी भारत, मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से दो से चार दिन अधिक गर्म हवाएं चलने की संभावना है।

जानकारी के अनुसार, भारत में अप्रैल से जून तक चार से सात दिन हीटवेव दर्ज किए जाते हैं। आईएमडी के एक अधिकारी ने पहले कहा था कि उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी के दिनों की संख्या दोगुनी हो सकती है, जबकि आमतौर पर गर्मी के दिनों की संख्या पांच से छह होती है। आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि जिन राज्यों में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ सकती है उनमें राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक और तमिलनाडु के उत्तरी भाग शामिल हैं।

आईएमडी ने कहा कि भारत के अधिकांश हिस्सों में अप्रैल में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, लेकिन सुदूर दक्षिणी और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों के कुछ इलाकों में सामान्य तापमान रह सकता है। महापात्र ने कहा कि उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व में कुछ स्थानों को छोड़कर, जहां तापमान सामान्य या सामान्य से थोड़ा कम हो सकता है, पूरे भारत में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। अत्यधिक गर्मी के दिनों का हवाला देते हुए विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि भारत को इस गर्मी के मौसम में बिजली की मांग में 9 से 10 प्रतिशत की वृद्धि के लिए

कैसा हो वर्किंग विमेन का पहनावा

आपके परिधान आपकी पहचान होते हैं। यदि आप किसी दफ्तर में काम करती हैं तो आपके परिधान आपकी पर्सनैलिटी पर बहुत गहरा प्रभाव डालते हैं। कहा जाता है कि यह कई बार आपकी सफलता में भी सहायक बनते हैं। इससे आपका अपने सहकर्मियों पर एक अलग ही प्रभाव पड़ता है।

यदि आप किसी कान्फ्रेंस या मीटिंग में जाती हैं तो आपका पहनावा आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ साथ वहाँ मौजूद लोगों पर आपकी एक अलग छाप छोड़ता है। कई मायने में आपका पहनावा आपके व्यक्तित्व का परिचायक होता है।

हम ऑफिस में कौन से परिधान पहनें, इस बात को लेकर अक्सर महिलाएँ कन्फ्यूज रहती हैं। ऑफिस में आपका परिधान ऐसा होना चाहिए, जिसमें शालीनता के साथ-साथ गरिमा भी झलके और आपका व्यक्तित्व पूरी तरह से निखरकर सामने आए। संक्षेप में कहें तो आपके कपड़े आपके फिगर व पर्सनैलिटी के अनुरूप होना चाहिए।

वर्किंग विमेन का पहनावा :

- यदि आपके शरीर का निचला हिस्सा भारी है तो आप स्ट्रेट लाइनिंग वाले कपड़े पहनें।
- मोटे लोगों के लिए पैंट या ट्राउजर पहनना बेहतर होगा। इस पर आप लंबे टॉप या स्ट्रेट या क्लासिक कट के आउटफिट पहनें।
- पतली महिलाएँ कंट्रास्ट कलर व फिटेड ड्रेस पहन सकती हैं।
- ऑफिस में बड़े-बड़े फ्लावर प्रिंट या ज्यादा कलरफुल ड्रेस पहनने के बजाय लाइनिंग, प्लेन या बारीक प्रिंट वाली ड्रेसेस पहनना बेहतर होता है।
- लंबे कद की पतली महिलाएँ लॉग स्कर्ट या बहुत टाइट परिधान पहनने से बचें।
- पतली महिलाओं को पैंट या स्लिम पर चौड़ी बेल्ट पहनना चाहिए।
- एक्सेसरीज में आप पर्ल या स्टोन की सिंपल माला पहन सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल :

- ऑफिस में एनिमल प्रिंट, बोल्ड स्ट्राइप्स या ब्राइट कलर पहनने से परहेज करें।
- डीप नेक की ड्रेसेस ऑफिस में न पहनें।
- फ्लैट सैंडल की बजाय हाई हील्स आपकी पर्सनैलिटी को और भी अधिक आकर्षक बनाएगी।

त्वचा की सफाई

सुन्दर दिखना तथा आकर्षक लगना हर व्यक्ति की इच्छा होती है जबकि नारी में सुन्दर दिखने की महत्वाकांक्षा पुरुषों के मुकाबले अधिक होती है और यह नारी का सौभाग्य ही तो है कि आज आधुनिक उत्पादों और सौंदर्य प्रसाधनों ने उनकी इस महत्वाकांक्षा को पूरा ही नहीं किया बल्कि उनके सौंदर्य और व्यक्तित्व को नए आयाम देने के साथ-साथ उन्हें ख्याति भी दिलवाई है।

प्रत्येक नारी अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा कर सकती है बस आवश्यकता है तो नारी को अपने ऊपर थोड़ा-सा ध्यान और समय देने की। मैं इस लेख में मेकअप से पूर्व त्वचा की सफाई से संबंधित कुछ आवश्यक बातों को स्पष्ट करूंगी।

सर्वप्रथम मेकअप करने से पूर्व चेहरे को किसी अच्छे क्लींजर से साफ करें। क्लींजर मार्केट में सुविधा से उपलब्ध हो जाता है। यदि क्लींजर लेने की आप आर्थिक स्थिति में नहीं हैं तो रात को सोते समय गुनगुने दूध में कॉटन (रूई) को भिगोकर अपने चेहरे व गर्दन को भली-भाँति साफ करें। इसके प्रयोग से चेहरे के दाग-धब्बे तो साफ होते ही हैं। क्लींजर के उपरांत अब चेहरे की त्वचा के लिए आपको जिस चीज की आवश्यकता है वह है स्किन टॉनिक। इसको भी आप सुविधापूर्वक घर पर ही तैयार कर सकती हैं। इसके लिए खीरे का रस निकाल कर उसे शीशी में भर कर फ्रिज में रख दें और प्रतिदिन कॉटन की सहायता से चेहरे पर लगाएं। यह स्किन टॉनिक चेहरे की त्वचा के लिए बहुत उपयोगी है। क्लींजर और स्किन टॉनिक के उपरांत जिस चीज की सबसे अधिक आवश्यकता है वह है चेहरे की मसाज। इसके लिए, आप किसी अच्छी कम्पनी की कोल्ड या मसाज क्रीम ले सकती हैं। क्रीम को समस्त चेहरे पर भली-भाँति लगा कर पंद्रह मिनट तक चेहरे की मसाज करें। ऐसा करने से आपकी त्वचा स्वस्थ, सुन्दर व आकर्षक नजर आएगी।

ब्यूटी टिप्स

बाजार की नित-नई क्रीमें तो आप हमेशा ही ट्राय करती आयी हैं, लेकिन कभी घर में हमेशा उपलब्ध रहने वाली उपयोगी क्रीम यानी मलाई पर भी नजर डाल लें। मलाई को कुछ इस तरह आजमाकर देखें :

- एक चम्मच मलाई में नींबू का रस मिलाकर रोज चेहरे और होंठ पर लगाने से ये फटते नहीं हैं।
- थोड़ी-सी मलाई और एक चम्मच बेसन का उबटन साबुन का बेहतरीन विकल्प है। इससे त्वचा मुलायम होती है।
- मुल्तानी मिट्टी को पीसकर, मलाई में मिलाकर चेहरे तथा कोहनियों पर लगाने से रंग में निखार आता है।
- 2 बड़े चम्मच मलाई में 2-3 बूंदें गुलाबजल की मिलाएं और चेहरे पर मसाज करते हुए लगाएं। लगभग 20 मिनट बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो दें।

परफ्यूम चुनें सोच-समझकर

परफ्यूम को बाहरी कपड़ों पर कभी भी न छिड़कें। सुगंध अधिक समय तक बरकरार रहे, सके लिए उसका प्रयोग पर्याप्त सही स्थानों पर जैसे कलाई, कनपटी, गर्दन और कंधों आदि पर करें। बालों में लगाने से भी खुशबू टिकाऊ होती है।

आजकल परफ्यूम का उपयोग व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाने के लिए किया जाता है। परफ्यूम का चुनाव करने में पर्याप्त सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि हर परफ्यूम का अलग-अलग प्रभाव होता है। अपनी खास पहचान बनाने के लिए कभी भी अधिक मात्रा में परफ्यूम का उपयोग नहीं करें। ऐसा करके आप खुद को हास्यास्पद ही नहीं बनाते हैं, बल्कि अन्य लोगों के लिए सिरदर्द तथा एलर्जी का कारण भी बन बैठते हैं।

कई लोगों को सुगंध की तीव्रता से चक्कर भी आ जाते हैं। सही सुगंध जहां लोगों को आपकी ओर आकर्षित करती है, वहीं गलत सुगंध का इस्तेमाल आपके पास बैठे लोगों को आपसे दूर भगा सकता है। खास माहौल में खास तरह की खुशबू वातावरण को आकर्षक बना देती है।

हर मौसम की अलग-अलग विशेषता होती है, अतः परफ्यूम का इस्तेमाल भी मौसम को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। गर्मी के मौसम में हल्की सुगंध भीनी-भीनी खुशबू बिखेरने वाले परफ्यूम उपयुक्त रहते हैं, जबकि सर्दियों में तेज सुगंध वाले परफ्यूम। इसी तरह किसी भी मौसम में दिन में हल्की खुशबू और रात में तेज सुगंध का प्रयोग करना अच्छा होता है।

परफ्यूम का चुनाव अपनी रुचि व अपने व्यक्तित्व के अनुरूप करें। यदि आप कामकाजी महिला हैं तो तेज सुगंध के प्रयोग से बचें। आपके लिए भीनी-भीनी महक वाली पुष्प सुगंध उपयुक्त है। गृहिणियों के लिए पानी में यूडी-कोलोन डालकर नहाना ही उत्तम है। अच्छी गुणवत्ता अच्छी सुगंध वाले टेलकम पाउडर का इस्तेमाल करें।

यदि आप कॉलेज के छात्र हैं तो परफ्यूम का इस्तेमाल न ही करें तो बेहतर है। साथ ही तेज सुगंध का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे आपकी गलत छवि बन सकती है। इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि सुगंध आपके व्यक्तित्व पर अनुकूल या प्रतिकूल दोनों ही प्रभाव डाल सकती है। सही सुगंध जहां व्यक्तित्व को आकर्षक बना सकती है, वहीं गलत सुगंध आपको फूहड़ता की श्रेणी में खड़ा कर देती है।

कॉलेज की छात्राएं अगर परफ्यूम का इस्तेमाल करना चाहें तो चंदन या अन्य किसी भी प्राकृतिक सुगंध या फूलों की भीनी खुशबू का इस्तेमाल करें। स्प्रे करने के बाद परफ्यूम की शीशियों को कसकर बंद करें और अंधकार अंधेरी जगहों पर रखें, क्योंकि सूर्य की गर्मी से सुगंध उड़ जाती है।

बनारसी साड़ी अथवा कढ़ाई वाले अन्य कीमती कपड़ों पर कभी भी सीधे परफ्यूम स्प्रे नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे कपड़ों की आभा कम होने लगती है। सूती कपड़ों पर भी कम ही परफ्यूम करें। कभी-कभी दाग लगने का खतरा रहता है जबकि सिंथेटिक कपड़ों पर अधिक परफ्यूम स्प्रे करना चाहिए, क्योंकि सिंथेटिक कपड़ों से खुशबू जल्दी उड़ जाती है। रंगों पर भी कोई असर नहीं होता। रूमाल पर परफ्यूम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

परफ्यूम को बाहरी कपड़ों पर कभी भी न छिड़कें। सुगंध अधिक समय तक बरकरार रहे, सके लिए उसका प्रयोग पर्याप्त सही स्थानों पर जैसे कलाई, कनपटी, गर्दन और कंधों आदि पर करें। बालों में लगाने से भी खुशबू टिकाऊ होती है। आजकल अंतरराष्ट्रीय परफ्यूम अधिक पसंद किए जा रहे हैं। इनके इस्तेमाल से पूर्व यह ध्यान अवश्य रखें कि यह दूसरे देश की जलवायु के अनुरूप बनाया गया है। रसायन भी अधिक होते हैं इनमें, जो त्वचा पर बुरा असर भी डाल सकते हैं।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि हमारे देश में निर्मित अनेक हर्बल फूलों की खुशबुओं वाले, हिना, चंदन आदि सुगंध वाले परफ्यूम सभी के लिए समान होते हैं, जबकि रसायनयुक्त परफ्यूम महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग-अलग होते हैं, जिन पर लिखा होता है 'परफ्यूम फॉर हिम' व 'परफ्यूम फॉर हर' अर्थात परफ्यूम के माध्यम से सामने वाले को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है जबकि हमारे यहां व विदेशों से आयातित बहुत से परफ्यूम अपनी मौलिक खुशबू से पूरी फिजां को महका देने वाला माद्दा भी रखते हैं।

इसलिए महंगे होने के बावजूद भी इनके खरीददार बढ़ते जा रहे हैं। सुगंध की यह मदहोश दुनिया कभी-कभी कई बीमारियों के लिए मुफीद है। किसी के देखा-देखी परफ्यूम खरीदें भी नहीं और इस्तेमाल न करें। परफ्यूम लगाने से पहले अपनी रुचि, माहौल की अनुकूलता, स्वास्थ्य के मापदंड, मन को भाने वाली सुगंधों के उत्तम पर्याय पर एक बार सोचें जरूर।

बन जाये हमदम खट्टे-मीठे आलूदम

सामग्री : 500 ग्राम मध्यम आकार के उबले आलू, दो बड़े कटे प्याज भून कर पेस्ट बनाया हुआ, एक बड़े चम्मच लहसुन व अदरख का पेस्ट, एक छोटा चम्मच गुड़, दो बड़े टमाटर बारीक कटे, दो बड़े चम्मच बारीक कटी धनिया पत्ति, एक बड़ा चम्मच गरम मसाला व जीरा, धनिया पाउडर, स्वादानुसार नमक और तेल।

विधि : आलू को कांटे से छेद कर तल लें। फिर से पैन में तेल गरम करें। प्याज, टमाटर, अदरख का पेस्ट व नमक डाल कर कुछ देर भूनें। गुड़ व पाउडर मसाले मिलायें। आलू डाल कर धीमी आंच पर पकने दें। धनिया पत्ति से सजा कर परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष – ... सुभांक-2-5-7

वृष – ... सुभांक-2-3-5

मिथुन – ... सुभांक-2-3-8

कर्क – ... सुभांक-2-5-8

सिंह – ... सुभांक-4-8-9

कन्या – ... सुभांक-2-8-9

तुला – ... सुभांक-5-7-9

वृश्चिक – ... सुभांक-1-2-7

धनु – ... सुभांक-1-4-8

मकर – ... सुभांक-5-6-8

कुंभ – ... सुभांक-5-7-8

मीन – ... सुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3486

काकुरो - 3485 का हल

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....!

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं। उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- मुझसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चे को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चे को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बड़ी हिम्मत की आपने।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था?

फिल्म वर्ग पहेली-3486

बाएं से दाएं:-

ऊपर से नीचे:-

फिल्म वर्ग पहेली- 3485

सूडोकू -3486

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

सूडोकू - 3485 का हल

शब्द पहेली - 3486

बाएं से दाएं

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिलहरी जैसा जन्तु-3
5.नाद,पेय पदार्थ-2
6.ऐयाश,गुलछर्रा-3
7.मेघ्या,संध्या-2
9.रसद,किराना सामग्री-3
11.कारगार,कलश-5
14.विकल लाल-3
16.कलाकार-4
17.चावल,लगन-2
18.मद,अंधा-2
19.लंका काँटा-4
23.पानी की बूंद-3
24.कान में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.चौड़ाई(चंदनी-2)
30.नेक्स,लगन-3
31.अकुला,व्याकुल-2
32.अभारशिला पीड़-3
33.अजायब,महल-4

ऊपर से नीचे

1.मदक-2
2.मकार,शांसगाड-4
3.खोपा जैसा खाद्य-3
4.समर, मद-2
5.जम्बूल-4
6.प्राण, जीवन ताप-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.वंशगत-3
13.पिता का भाई-2
15.पत्नी पत-3
17.हिम लगाव-3
18.क्षमर,जलाशय-3
20.नागड़ी,लाला-2
21.अनुकृति-3
22.कांडक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,पैंठ-4
26.सजना,सना-3
27.चूक,लेश-2
29.सीधा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली - 3485 का हल

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजाइंट्स और पंजाब किंग्स में मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम का मुकाबला मंगलवार को यहां आईपीएल में पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के लिए अपना पूरा जोर लगा देंगी। ऋषभ पंत की कप्तानी में सुपरजाइंट्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल करना रहेगा। सुपरजाइंट्स को अपने पहले मैच में हार मिली थी पर दूसरे मैच में उसने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत दर्ज कर अच्छी वापसी की है। इस मैच में निकोलस पूरन और मिचेल मार्श ने तेजी से अर्धशतक लगाये थे। टीम चाहेगी कि ये दोनों अब पंजाब के खिलाफ भी इसी लय को बनाये रखें। पूरन अभी तक सबसे ज्यादा छक्के और स्ट्राइक रेट के साथ रन बना रहे हैं। वहीं मार्श ने लगातार दो बार पचास से अधिक रन बनाये हैं। टीम की सफलता के बाद भी कप्तान ऋषभ के रन नहीं बनाने से टीम को चिन्ताएं बढ़ी हैं। वह शुरुआती दो मैच में शून्य और 15 रन ही बना पाये हैं। अब उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनाकर अपने आलोचकों को जवाब देना होगा। वहीं इस मैच में दो सबसे महंगे कप्तानी ऋषभ और श्रेयस अय्यर की भिड़ंत को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह होगा।

श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले आईपीएल में केकेआर टीम को खिताब जिताया था। इस बार आईपीएल की शुरुआत से ही श्रेयस ने अच्छा प्रदर्शन कर जमकर रन बनाये हैं। अय्यर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 42 गेंद पर नाबाद 97 रन बनाकर मैच जिताया था। अब इसी लय को जारी रखना चाहेंगे। उनके अलावा टीम की ओर से शशांक सिंह और प्रियांश आर्य ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे पंजाब के हौसले बुलंद रहेंगे। पंजाब के पास तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और इंपैक्ट प्लेयर के रूप में उतरे मध्यम गति के गेंदबाज विजयकुमार वैशाख जैसे खिलाड़ी हैं। सुपरजाइंट्स के लिए इस मामले में काफी परेशानी है क्योंकि उसके प्रमुख तेज गेंदबाज चोटिल होकर बाहर हैं हालांकि शार्दुल ठाकुर के आने से टीम को राहत मिली है। शार्दुल ने पिछले मैच में शानदार गेंदबाजी कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

इकाना स्टेडियम की पिच गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों और धीमी गति के गेंदबाजों के अनुकूल है और दोनों टीम के स्पिनर मैच के परिणामों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। रवि बिश्नोई हालांकि लय में नहीं आये हैं ऐसे में टीम बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद को उतार सकती है। वहीं पंजाब के स्पिन आक्रमण की जिम्मेदारी स्पिनर युजवेंद्र चहल के पास रहेगी। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल का विकल्प भी उसके पास है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, ग्लेन मैक्सवेल, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विजयकुमार वैशाख, सूर्यांश शेडगे।

लखनऊ सुपरजाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड मिलर, एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, आयुष बडोनी, आवेश खान, , प्रिंस यादव, शार्दुल ठाकुर और रवि बिश्नोई।

नोवाक जोकोविच 100वें एटीपी खिताब से चूके, मेनसिक ने जीता खिताब

मैड्रिड (एजेंसी)। चेक गणराज्य के 19 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी जैकब मेनसिक ने रविवार को शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराकर मियामी ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। मेनसिक इस जीत के साथ ही एटीपी खिताब जीतने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं।

बारिश के कारण बाधित रहे इस खिताबी मुकाबले में चेक गणराज्य के मेनसिक ने जोकोविच को अपने करियर का 100वां एटीपी खिताब जीतने से रोक दिया। चेक खिलाड़ी ने छह बार के चैंपियन जोकोविच को 7-6(4), 7-6(4) से हराकर मियामी ओपन का खिताब जीता।

ट्रॉफी जीतने के बाद मेनसिक ने कहा कि उनके मन में अपने आदर्श जोकोविच के लिए सम्मान के अलावा कुछ नहीं है। टेनिस खेलने के लिए उन्हें प्रेरित करने के लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि क्या कहना है। यह अविश्वसनीय लगता है। यह शायद मेरे जीवन का सबसे बड़ा दिन था और मैंने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसको लेकर मैं वास्तव में बेहद खुश हूं।'

धोनी के निचले क्रम पर उतरने को लेकर उठे सवाल

-टीम को नहीं मिल रहा फायदा

गुवाहाटी (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल का 18 सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसे शुरु के तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और उसके बाद राजस्थान रॉयल्स से हार मिली है। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के निचले क्रम पर उतरने को लेकर भी सवाल उठे। धोनी पिछले दोनों मैचों में नौवें और सातवें नंबर पर आये थे। वहीं प्रशंसक और पूर्व क्रिकेटर चाहते हैं कि धोनी ऊपरी क्रम में उतरते हुए लंबी पारी खेलें।

इसका कारण है कि धोनी विश्व के सबसे अच्छे फिनिशर माने जाते हैं। वह निचले क्रम पर आकर आक्रामक बल्लेबाजी करने के लिए जाने जाते हैं पर आजकल वह काफी नीचे आ रहे हैं। धोनी रॉयल्स के खिलाफ मैच में भी सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए और 11 गेंदों में 16 रन ही बना पाये। अपनी पारी के दौरान उन्होंने एक चौका और एक छक्का भी लगाया। धोनी के बल्लेबाजी ऑर्डर में इतना नीचे आने से सीएसके उनका लाभ नहीं उठा पायी। इससे पहले उसे आरसीबी के हाथों चेन्नई में अपने घरेलू मैदान में भी हार मिली थी। वहीं धोनी जब सीएसके के कप्तान हुआ करते थे, तो टीम की जरूरत के हिसाब से बल्लेबाजी के लिए उतरते थे पर बढ़ती उम्र और घुटनों की सर्जरी के बाद वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं करते। 2023 से लेकर अब तक धोनी के आंकड़ों पर ध्यान दें तो वह बल्लेबाजी क्रम में इतना नीचे आ रहे हैं कि टीम को नुकसान ही रहा है। वहीं कुछ पूर्व क्रिकेटरों का तो ये तक मानना है कि अगर वह ऊपरी क्रम पर उतर नहीं सकते तो उन्हें संन्यास ले लेना चाहिये।

इस बार आरसीबी जीत सकती है खिताब : डिविलियर्स

चेन्नई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा है कि इस बार जिस प्रकार अब तक आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने खेला है उससे ये लग रहा है कि वह अपना पहला खिताब जीत सकती है। आरसीबी में लंबे समय तक रहे डिविलियर्स का मानना है कि इस बार रजत पाटीदार की कप्तानी में टीम पहले से कहीं बेहतर नजर आ रही है। साथ ही कहा कि अगर इसी प्रकार वह खेलती रही तो उसके लिए जीत की राह बनती रहेगी। आरसीबी ने इस बार बार 16 साल बाद चेन्नई में सीएसके को हराया है जिसके बाद से ही डिविलियर्स का हौसला बढ़ा हुआ है। डिविलियर्स के अनुसार इस बार आरसीबी टीम का संतुलन पिछले सालों से कई गुना अच्छा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल आईपीएल नीलामी के समय मैंने कहा था कि आरसीबी को संतुलन की जरूरत है। या गेंदबाजों, बल्लेबाजों या फील्डरों को लेकर नहीं था बल्कि ये आईपीएल टीमों और विकल्पों में अच्छे संतुलन को लेकर था।

डिविलियर्स ने कहा कि मैंने पहले तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को देखा तो मुझे लगा कि वह नहीं खेल रहा है और फिर दूसरे मैच में वह टीम में था। आपको पता होना चाहिए पहले मैच में वह टीम में नहीं था और दूसरे मैच में वह किसी और की जगह टीम में था। यही वह संतुलन और गहराई है जो टीम को में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आरसीबी को यह टूर्नामेंट में चैंपियन के लिहाज से ही नहीं टीम के हिसाब से भी सबसे अच्छी शुरुआत है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि टीम ने पहले केकेआर को उसी के मैदान पर हराने के बाद सीएसके को घरेलू मैदान पर हराया।

आईपीएल अंक तालिका में अभी आरसीबी पहले नंबर पर पहुंच गयी है। उसने अब तक दोनों ही मैच जीते हैं। पहले मैच में उसने केकेआर को सात विकेट से हराया और दूसरे मैच में सीएसके पर जीत दर्ज की। अब उसका लक्ष्य 2 अप्रैल को होने वाले अगले मुकाबले में गुजरात टाइटंस को हराना होगा।

मेसी के अगले विश्वकप में खेलने पर संशय बरकरार

मुम्बई। कनाडा, यूनाइटेड स्टेट और मैक्सिको में होने वाले 2026 फीफा विश्वकप फुटबॉल में अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। मेसी की कप्तानी में ही पिछले विश्वकप में अर्जेंटीना ने खिताब जीता था पर अब वह 37 साल के हो गये हैं। ऐसे में वह अगले साल विश्वकप में खेल पायेंगे ये पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। 2022 विश्वकप में अर्जेंटीना की जीत में मेसी की अहम भूमिका थी। उन्होंने तब 7 गोल किए थे। इस खिलाड़ी ने अब तक छह फीफा विश्वकप खेले हैं। अगले साल तक वह 38 के हो जायेंगे। ऐसे में उनकी फिटनेस कैसी रहती है ये भी देखना होगा। अर्जेंटीना ने विश्वकप के लिए पहले ही प्रवेश हासिल कर लिया है। कोच लियोनल स्कालोनी ने कहा कि हम देखेंगे कि आगे क्या होता है, अभी बहुत समय है। अभी हमें उसे अकेला छोड़ देना चाहिए, समय आने पर वह खेलने से नहीं खेलने पर अपनी ओर से फैसला करेगा। अर्जेंटीना की टीम आजकल अच्छी लय में है। उसने मेसी के बिना ही क्वालीफाइंग में सबसे अधिक बार चैम्पियन रही ब्राजील को भी 1–4 से हराया था। उससे पहले उसने उरुग्वे को भी 1–0 से हराया था। इस मैच में भी मेसी शामिल नहीं थे।

सनराइजर्स ने एचसीए पर धमकाने का आरोप लगाते हुए बीसीसीआई से सहायता मांगी

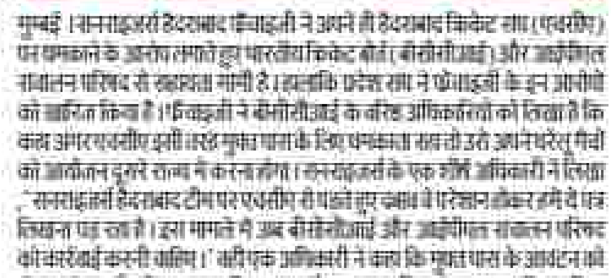

मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद फ्रेंचाइजी ने अपने ही हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) पर धमकाने के आरोप लगाते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईपीएल संचालन परिषद से सहायता मांगी है। हालांकि प्रदेश संघ ने फ्रेंचाइजी के इन आरोपों को खारिज किया है। फ्रेंचाइजी ने बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों को लिखा है कि वह अगर एचसीए इसी तरह मुफ्त पास के लिए धमकाता रहा तो उसे अपने घरेलू मैचों का आयोजन दूसरे राज्य में करना होगा। सनराइजर्स के एक शीर्ष अधिकारी ने लिखा, "सनराइजर्स हैदराबाद टीम पर एचसीए से पड़ रहे दबाव से परेशान होकर हमें ये पत्र लिखना पड़ रहा है। इस मामले में अब बीसीसीआई और आईपीएल संचालन परिषद को कार्रवाई करनी चाहिए।" वहीं एक अधिकारी ने कहा कि मुफ्त पास के आवंटन को लेकर फ्रेंचाइजी को स्पष्टता चाहिए। आम तौर पर कुल टिकटों का पांच प्रतिशत दिया जाता है। उन्होंने कहा, 'हम फ्रेंचाइजी की ओर से एचसीए को दिए जाने वाले मुफ्त टिकटों को लेकर स्पष्टता चाहते हैं।' साथ ही कहा कि अधिक टिकटों की मांग करते हुए एचसीए अध्यक्ष जगन मोहन राव, कोषाध्यक्ष और सचिव सनराइजर्स हैदराबाद प्रबंधन को लगातार धमकाते हैं और कहते हैं कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं की गयीं तो वे हैदराबाद में आईपीएल मैच नहीं होने देंगे।' ऐसे में टीम अपने मैच दूसरे राज्यों में आयोजित करने पर विचार कर रही है। वहीं एचसीए ने इन आरोपों को गलत बताया है। एचसीए अध्यक्ष जगन मोहन राव ने कहा कि ये सब आधारहीन बातें हैं जो सोशल मीडिया में आ रही हैं।

अच्छी शुरुआत नहीं मिलने से हारे : रुतुराज

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में खेले गये आईपीएल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ मिली छह रनों की हार पर निराशा जतायी है। रुतुराज ने कहा कि अच्छी शुरुआत नहीं मिलने और खराब फील्डिंग के कारण ही उनकी टीम को हार झेलनी पड़ी है। इस मैच में नितीश राणा के तेजी से बनाये 81 रनों और वानिंदु हसरंगा के चार विकेटों की सहायता से राजस्थान ने जीत दर्ज की। इस मैच में 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 6 विकेट पर 176 रन ही बना पायी, रुतुराज ने सबसे अधिक 63 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज असफल रहे। सीएसके की यह लगातार दूसरी हार है। इससे पहले उसे अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों साल 2008 के बाद पहली बार हार का सामना करना पड़ा था। रुतुराज ने कहा कि मुकाबले में हमारी शुरुआत अच्छी नहीं रही है। अगर वह ठीक हो जाए तो चीजें बदल जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने फील्डिंग में 8 से 10 रन ज्यादा दे दिए, जिसे सुधारने की जरूरत है। रुतुराज अच्छी बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया पर अन्य बल्लेबाजों से उन्हें समर्थन नहीं मिला जिससे टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी।

बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में होगा पुरुष हॉकी एशिया कप

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में होने वाले पुरुष एशिया कप 2025 के लिए हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने सोमवार को एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। राजगीर के हॉकी स्टेडियम में 29 अगस्त से 7 सितंबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट बेल्जियम और नीदरलैंड में 2026 में आयोजित होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है।

इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें संस्करण में भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया सहित आठ टीमें हिस्सा लेंगी और शेष दो टीमें क्वालीफायर टूर्नामेंट एएचएफ कप के जरिए अपना स्थान सुरक्षित करने का प्रयास करेंगी। इस टूर्नामेंट को लेकर हॉकी इंडिया ने आज बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के साथ एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बिहार के खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. बी राजेंदर ने राजगीर को मेजबानी को लेकर कहा, 'हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर बिहार के प्रमुख खेल स्थल बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी करना हमारे राज्य के लिए गर्व का क्षण है और हम टूर्नामेंट के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।'

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, 'राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी भारतीय हॉकी के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है। स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है और मुझे विश्वास है कि यह खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए एक रोमांचक माहौल प्रदान करेगा।'

फुटबॉल रेफरी ने कोच को जड़ी कराटे किक, वीडियो हुई वायरल

एथेंस, एजेंसी। ग्रीक लीग मैच के दौरान रेफरी लुकास एलेसी ने हारने वाली टीम के कोच मैग्डेलेना गीक्डेडिनी को कराटे किक मारकर बेहोश कर दिया। कोच मैग्डेलेना रेफरी पर प्लास्टिक की बोतल से हमला करने आए थे। स्पोर्ट हुआसिंटा के खिलाफ मैच के 83वें मिनट में हुई इस घटना ने दुनिया भर के दर्शकों और फुटबॉल प्रशंसकों को हैरत में डाल दिया है। दरअसल, एलेसी ने अपने लाइनमैन के इशारे पर मैग्डेलेना गीक्डेडिनी बेंच के एक सदस्य को लाल कार्ड दिखाया था। इस पर तनाव इतना बढ़ गया कि कोचिंग स्टाफ का एक सदस्य प्लास्टिक की बोतल लेकर मैदान पर आया और रेफरी की ओर भागा। एलेसी ने यह देखकर दाहिने पैर से कराटे किक लगाई, जो कोच के चेहरे पर लगी और वह वहीं जमीन पर गिर गया। घटनाक्रम के बाद गुस्साए खिलाड़ियों ने एलेसी और उसके लाइनमैन को घेर लिया, जिससे व्यवस्था बहाल करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। किक खाया कोच इसके बाद भी हमले करने को तत्पर रहा। मामला बिगड़ा तो मैच को स्थगित कर दिया गया। इस विवाद की फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, जिससे रेफरी की सुरक्षा और मैदान पर अनुशासन को लेकर गरमागरम बहस छिड़ गई है। इस दौरान एलेसी के मार्शल आर्ट कौशल की कुछ लोगों ने प्रशंसा की है, लेकिन रेफरी और कोच दोनों के लिए संभावित अनुशासनात्मक कार्रवाई के बारे में सवाल बने हुए हैं।

बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में अभिनेत्री सारा का डांस देखकर झूमे दर्शक

गुवाहाटी (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स के बीच गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल मुकाबले से पहले हुए उद्घाटन समारोह में अपने डांस से सभी का दिल जीत लिया। सारा ने दर्शकों के बीच स्टेडियम में जब अपना गाना गाया और डांस किया तो दर्शक खुशी से झूम उठे। सारा ने कई गानों पर डांस कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आईपीएल के इतिहास में यह पहली बार है कि इस स्टेडियम में उद्घाटन समारोह हो रहा है।

वहीं इस मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सीएसके के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को लीग के 18 साल पूरे होने पर विशेष मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। बीसीसीआई ने इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली को भी इसी तरह मोमेंटो देकर सम्मानित किया था। दोनों को जब सम्मानित किया गया तो उनके लिए माहौल विशेष था।

'रोहित का सपना वनडे विश्व कप जीतना, वह इंग्लैंड जाकर भी खेलें'

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा के लिए आगामी टेस्ट दौरा खेलना मुश्किल लग रहा है। माना जा रहा है कि वह इंग्लैंड दौरे पर शायद ही जाएं। इंग्लैंड दौरे पर भारत ने 20 जून से 4 अगस्त तक 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसी बीच रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड का कहना है कि रोहित को पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्हें इंग्लैंड जाकर कप्तानी करनी चाहिए। उन्होंने पिछले दौरे पर वहां शतक बनाया था। वह वहां की परिस्थितियों से अवगत हैं।

दिनेश लाड ने इसी दौरान रोहित के सपने और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की। कोच ने कहा कि रोहित 12 साल की उम्र में उनके पास एक गेंदबाज के रूप में आए थे, लेकिन उन्हें बल्लेबाज बनाया और अब भारत को टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जिताने के बाद उनका सपना वनडे विश्व कप जीतना है। कोच ने रोहित के सबसे बड़े सपने का जिक्र करते हुए कहा कि उनका अंतिम सपना वनडे विश्व कप जीतना है, जो 2023 में हम चूक गए। मेरा मानना है कि उन्हें अपने सपने विश्व कप तक खेलना चाहिए, और वह जीतकर अपना और देश का सपना पूरा करना चाहिए।

रोहित की तकनीक और अनुभव की तारीफ करते हुए कोच ने कहा कि रोहित एक अलग तरह का खिलाड़ी है। वह तकनीकी रूप से मजबूत है और उनके पास अनुभव का खजाना है। पिछली इंग्लैंड सीरीज में उन्होंने शतक जड़ा था। मेरी राय में, उसे इंग्लैंड जाना चाहिए, अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिए और टीम का नेतृत्व अच्छे से करना चाहिए।

बता दें कि 2024 में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी की थी। भारत ने 5 मैचों की सीरीज 4-1 से जीती थी। इंग्लैंड ने सीरीज का पहला मैच जीता था और उसके बाद भारत ने लगातार 4 मैच जीते थे। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने उस सीरीज के दौरान 712 रन बनाए थे। रोहित ने भी सीरीज में एक शतक सहित 400 रन बनाए थे।

बीते दिनों रिकी पोंटिंग ने भी रोहित के करियर पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि जब आप अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंचने लगते हैं, तो हर कोई आपके रिटायर होने का इंतजार कर रहा होता है। और मुझे नहीं पता कि क्यों, जब आप अभी भी उतना ही अच्छा खेल सकते हैं जितना उन्होंने (चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में) खेला है, तो मुझे लगता है कि वह अपना उन सवालों का हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे। और वह कह रहे थे कि मैं अभी भी काफी अच्छा खेल रहा हूं। मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है। मुझे लगता है कि उनके दिमाग में अगले (50-ओवर) विश्व कप (2027 में) में खेलने का लक्ष्य होना चाहिए।

पाकिस्तान को लगा झटका, न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच से बाहर हुआ बड़ा खिलाड़ी

हैमिल्टन। पाकिस्तान के बल्लेबाज उस्मान खान चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच से बाहर हो गये हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ओर से जारी बयान के अनुसार सलामी बल्लेबाज उस्मान खान नेपियर के मैक्लीन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए चोटिल हो गए थे। एमआरआई स्कैन में उनकी चोट की पुष्टि हुई है जिसके कारण वह दो अप्रैल को हैमिल्टन के सेडन पार्क में होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। उस्मान पहले एकदिवसीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें टी-20 सीरीज के बाद पाकिस्तान की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने पहले एकदिवसीय पदार्पण मैच में 33 गेंदें पर 39 रन बनाये थे। हैमिल्टन में बुधवार को दूसरा एकदिवसीय मैच खेला जाएगा। पहले मैच में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा था जिस कारण पाकिस्तान को सीरीज में बने रहने के लिए दूसरा वनडे जीतना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं होता तो पाकिस्तान टीम एकबार फिर निशाने पर होगी क्योंकि न्यूजीलैंड दौरे के दौरान पाकिस्तान को टी20 सीरीज में 1–4 से हार मिली थी।

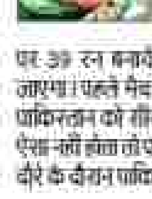

खुद ऋतिक रोशन ही डायरेक्ट करेंगे कृष 4

अभिनय के क्षेत्र में अपना दमखम दिखाने के बाद अभिनेता ऋतिक रोशन 'कृष 4' से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू करने जा रहे हैं। उनके पिता राकेश रोशन ने घोषणा करते हुए कहा कि फिल्म की कमान वह ऋतिक को सौंप रहे हैं। लंबे समय से फिल्म के निर्देशन को लेकर चर्चा चल रही थी। लगातार यह संशय बना हुआ था कि फिल्म का निर्देशन कौन करेगा? आदित्य चोपड़ा की अगुआई में यशराज फिल्म्स के बैनर तले इसका निर्माण होगा।

राकेश रोशन ने की घोषणा

'कृष' फ्रैंचाइजी की अगली किस्त यानी 'कृष 4' पर बड़ा अपडेट देते हुए राकेश रोशन ने कहा, मैं कृष 4 के निर्देशन की कमान अपने बेटे ऋतिक रोशन को सौंप रहा हूं, जिन्होंने इस फ्रैंचाइजी को शुरू से ही मेरे साथ जिया, महसूस किया और इसके बारे में सपने देखे हैं। ऋतिक के पास अगले दशकों तक दर्शकों के साथ कृष की यात्रा को आगे बढ़ाने का एक साफ और बहुत ही महत्वाकांक्षी विजन है। मुझे यह देखकर बहुत गर्व हो रहा है कि वह एक ऐसी फिल्म के निर्देशक बन रहे, जो हमारे लिए एक परिवार की तरह है। राकेश रोशन ने अपने ट्विटर पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, 25 साल पहले मैंने तुम्हें एक अभिनेता के रूप में लॉन्च किया था। आज फिर 25 साल बाद तुम्हें दो फिल्म निर्माताओं आदि चोपड़ा और मेरे द्वारा हमारी सबसे महत्वकांक्षी फिल्म कृष 4 को आगे बढ़ाने के लिए एक निर्देशक के रूप में लॉन्च किया जा रहा है। इस नए अवतार में तुम्हें ढेर सारी सफलता की शुभकामनाएं और आशीर्वाद।

राकेश रोशन और आदित्य चोपड़ा ने मिलाया हाथ

इस सुपरहीरो फिल्म के लिए आदित्य चोपड़ा और राकेश रोशन साथ आए हैं। आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स राकेश रोशन के साथ मिलकर इसका निर्माण करेगी। काफी लंबे समय से इस फ्रैंचाइजी की अगली किस्त का फैंस को इंतजार था। इस महत्वपूर्ण सूचना ने उनकी उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है।

इस भारतीय सुपरहीरो फ्रैंचाइजी की शुरुआत 'कोई मिल गया' से हुई थी, जिसमें ऋतिक रोशन ने मुख्य भूमिका अदा की थी। यह एक साइंस-फिक्शन फिल्म थी। साल 2006 में इसकी अगली किस्त 'कृष' आई और साल 2013 में 'कृष 3'। आगे इस सफर के दौरान दर्शकों के दिल में इसने एक खास जगह बना ली।

फिल्म किंगडम में हुई कीर्ति सुरेश की एंट्री

विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म किंगडम के लिए कमर कस चुके हैं। फिल्म का पहला लुक भी जारी किया जा चुका है, लेकिन अभी तक यह जानकारी सामने नहीं आई थी कि फिल्म में विजय के साथ कौन सी अभिनेत्री नजर आएगी।

कीर्ति सुरेश के साथ जमेगी विजय की जोड़ी

फिल्म किंगडम में विजय देवरकोंडा के साथ कीर्ति सुरेश रोमांस करती नजर आ सकती हैं। पहले निर्माताओं ने रुक्मिणी वसंत को लेने के बारे में विचार किया था, लेकिन बात कुछ जमी नहीं। इसलिए फिर निर्माताओं ने कीर्ति को फिल्म में लेने का मन बनाया और उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई। फिल्म की स्क्रिप्ट कीर्ति को बेहद पसंद आई और उन्होंने तुरंत ही फिल्म के लिए हां कह दी।

कीर्ति का होगा खास अंदाज

फिल्म किंगडम में कीर्ति गोदावरी बोली बोलती नजर आएंगी। फिल्म किंगडम की कहानी स्थानीय राजनीति पर आधारित होगी और साथ ही इस फिल्म में आम लोगों से जुड़े कई पहलुओं को भी दिखाया जाएगा। निर्माता दिल राजू इस फिल्म को श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले बनाएंगे। फिल्म की शूटिंग इस गर्मी से शुरू होने की उम्मीद है। एक्शन ड्रामा फिल्म किंगडम 30 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विजय की इस फिल्म का पहला लुक सामने आते ही फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

विजय का वर्कफ्रंट

विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म किंगडम के अलावा रवि किरण कोला की फिल्म राउडी जनार्दन में भी नजर आएंगे। इसके अलावा विजय राहुल सांकृत्यायन के साथ भी एक प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं।

लापता लेडीज में 'इंस्पेक्टर मनोहर' बनना चाहते थे आमिर खान

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडिज' में सुपरस्टार आमिर खान 'इंस्पेक्टर मनोहर' का किरदार निभाना चाहते थे। हालांकि, वह ऑडिशन में फेल हो गए थे। उन्होंने पुलिस की वर्दी में खुद का एक ऑडिशन टेप शेयर किया, जिसमें वह पान चबाते नजर आए। 'लापता लेडीज' के लिए खारिज किए गए ऑडिशन वीडियो में अभिनेता का एक ऐसा पहलू दिखाया गया है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। हालांकि, वह भूमिका बड़े पर्दे पर नहीं आई, लेकिन वीडियो को सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं। आमिर के नए यूट्यूब चैनल 'आमिर खान टॉकीज' ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें किरण राव ने खुलासा किया कि आमिर पहले फिल्म में 'श्याम मनोहर' नामक एक पुलिस वाले की भूमिका निभाने वाले थे, जो बाद में रवि किशन को मिल गई।

आलिया की सफलता से सारा को होती थी जलन

आलिया भट्ट इस वक्त इंडस्ट्री की टॉप हीरोइन हैं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल अचीवमेंट्स की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस सारा अली खान ने ये खुलासा किया कि उन्हें आलिया भट्ट से जलन होती थी। एक समय उन्हें आलिया के प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ से जलन होने लगी थी। वो कहती हैं कि उन्होंने एक्ट्रेस की लाइफ में आने वाली चुनौतियों पर सोचा ही नहीं। उन्हें सिर्फ उनकी सफलता दिख रही थी। सारा कहती हैं- जब आलिया को नेशनल अवॉर्ड मिला था। उस वक्त मुझे लगा भगवान ये अवॉर्ड जीत गईं। उनके पास एक बच्चा भी है। उनकी जिंदगी तो सेट है। लेकिन मुझे नहीं पता कि उन्हें यह सब पाने के लिए क्या-क्या सहना पड़ा होगा। एक एक्टर के तौर पर मैंने उन्हें अमानवीय बना दिया। सारा अपनी बात में आगे कहती हैं, हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। किसी से जलन महसूस करने से पहले उस इंसान की पूरी कहानी जाननी होती है। अक्सर हम बिना किसी की मेहनत जाने उससे जलन लगते हैं। हमें बस दूसरों की सफलता दिखती है। उन्होंने कहा, हम नहीं देख पाते कि इसके पीछे क्या चल रहा है। जलन का मतलब है अंधापन। बता दें कि आलिया भट्ट को साल 2022 में उनकी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला था। उसी साल अप्रैल में उन्होंने एक्टर रणबीर कपूर से शादी की थी। 2022 के नवंबर में दोनों राहा के पेरेंट्स बने। वहीं, सारा अली खान की बात करें तो उन्होंने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से अपने करियर की शुरुआत की थी। सारा की स्काई फोर्स इसी साल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पांस मिला था। जल्द ही वो फिल्म मेट्रो इन दिनों में दिखेंगी।

निमरत कौर के अलावा दीपिका, प्रियंका और इन सितारों ने तय किया बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर

मशहूर अभिनेत्री निमरत कौर ने बॉलीवुड की फिल्मों स्काई फोर्स, दसवीं और एयरलिफ्ट में बेहतरीन किरदार अदा किया है। उन्होंने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। निमरत ने हॉलीवुड सीरीज होमलैंड में काम किया है। वह वेवार्ड पाइन्स और फाउंडेशन में भी नजर आईं। ऐसे में आज हम उन बॉलीवुड एक्ट्रेस के बारे में जानेंगे जो बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचीं।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड को अंदाज, ऐतराज और किस्मत जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। अपने फिल्मी करियर को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने हॉलीवुड का रुख किया। उन्होंने हॉलीवुड की बेवाच, द स्काई इज पिंक... ए किड लाइक जेक और द व्हाइट टाइगर जैसी फिल्मों में काम किया।

दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने बॉलीवुड को पद्मावत, जवान और पठान जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म एक्सएक्सएक्स- रिटर्न ऑफ जेंडर केज और फास्ट एंड फ्यूरियस 7 में भी काम किया।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने बॉलीवुड को गंगूबाई काठियावाड़ी, हाइवे और राजी जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। उन्होंने साल 2022 में हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन में काम किया है।

ऐश्वर्या राय

ऐश्वर्या राय देवदास, धूम और मोहब्बतें जैसी फिल्मों में नजर आईं। वह अभी भी बॉलीवुड फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म प्रोवोक्ड और द लास्ट लीजन में काम किया।

तकदीर अच्छी हुई तो बुरी फिल्म भी चल जाएगी, राजनीति में एंट्री पर बोले सलमान

बॉलीवुड में लगभग साढ़े तीन दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुके सलमान खान का ईद पर सालों से प्रभुत्व रहा है। इस बार वह साउथ के जाने-माने डायरेक्टर एआर मुरुगादॉस के साथ सिकंदर लेकर आ रहे हैं। सलमान ने हाल ही खास बातचीत में अपनी इस फिल्म के अलावा परिवार, बॉक्स ऑफिस, जान से मारने की धमकियों, राजनीति, एज गैप जैसे कई मुद्दों पर बात की।

सलमान आपकी निजी जिंदगी हो या सोशल मीडिया आपका परिवार प्रेम हमेशा नजर आता है। वो पारिवारिक मूल्य और बॉन्डिंग कहां से आते हैं?

प्यार तो परिवार से आता है। पालन-पोषण से आता है। मॉम और डैड की जब शादी हुई थी, तो वओ दोनों ही अलग-अलग कल्चर और धर्म से थे। मगर मेरे नाना के लिए मुद्दा ये नहीं था कि मेरे डैड मुसलमान हैं, उनकी समस्या थी कि वे फिल्म इंडस्ट्री का आदमी है। मेरे नाना मेरे पिता से शादी के पांच साल बाद मिले थे, वो भी जब सोहेल पैदा हुआ। उस वक्त उन्होंने मेरे पिता को बहुत प्यार दिया और कहा कि मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती ये हुई है कि उन्होंने पांच साल न मिलकर वक्त बर्बाद किया। एक बार जब मेरी मॉम झगड़कर मायके चली गई थी, तब मेरे नाना ने कहा था कि अब तुम्हारी अर्थी यहीं से उठेगी। तुम इस तरह से घर छोड़कर यहां मायके मत आना। तुम यहां मिलने-जुलने आ सकती हो, मगर घर छोड़कर नहीं। लड़ाई-झगड़े तो होते रहते हैं, तुम घर वापस जाओ। वो अच्छा आदमी है। पता नहीं मेरे पिता सलीम खान ने मेरे नाना पर क्या जादू चलाया था। परिवार से हमने बहुत कुछ सीखा और फिर दोस्तों से भी। जिनसे लगा कि ये बहलाने-फुसलाने के लिए आए हैं, उनसे हम दूर ही रहे हैं। हम जब 18-20 साल के हुए, तो हमारे पिता के दोस्त हमारे दोस्त बन गए। हमारे फ्रेंड्स हमारे फादर के फ्रेंड्स हो गए। हम भाइयों के दोस्तों का सर्कल भी ब्रदर्स जैसा ही है।

अगर फिल्मों की बात करें, तो आप बॉक्स ऑफिस के अनप्रेडिक्टेबल मिजाज के बारे में क्या सोचते हैं। समझ में नहीं आ रहा कि क्या चलेगा, क्या नहीं?

अच्छी फिल्म होगी, तो चलेगी और अगर अच्छी नहीं हुई, तो नहीं चलेगी, मगर तकदीर बहुत अच्छी हुई, तो बुरी फिल्म भी चल जाएगी।

आपने अनगिनत फिल्मों में काम किया है। आप मास सिनेमा को कैसे डिफाइन करते हैं?

देखिए, मास और क्लास सिनेमा का जो सेपरेशन था, वो तो एकदम से हिल गया है। आज आप मल्टीप्लेक्स में भी चले जाओ, तो सीटी-वीटी मारने का चलन वहां भी देखने मिलता है। मगर मैं हमेशा कहता हूं कि सिंगल थिएटर में जो ब्लैक में इतने सारे पैसे खर्च करके टिकट लेते हैं, उनको मल्टीप्लेक्स में जाकर ही फिल्म देख लेनी चाहिए। मगर कई बार पीवीआर और आइनॉक्स वाले भी गैटी-गैलेक्सी में फिल्में देखने जाते हैं। असल में वो उस मास्टी फीलिंग के लिए इन थिएटरों में जाते हैं।

सलमान धमकियां मिलना आपके लिए नई बात नहीं है, मगर उस के उस मुकाम पर आप बेखौफ हो गए हैं या बेचैन रहते हैं?

अल्लाह और भगवान है। जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी तो रहेगी, मगर कभी-कभी इतने सारे लोगों को साथ लेकर चलना होता है, वही प्रॉब्लम हो जाती है।

एटली के साथ आपकी फिल्म को लेकर काफी चर्चाएं हैं। हाल-फिलहाल उसका स्टेटस क्या है?

एटली के साथ वाली फिल्म पूर्वनियोजित तौर पर नहीं हो पाई है और इसका कारण मुझे फिल्म का बैड स्केल और भव्य बजट लग रहा है। इस तरह की फिल्म के लिए बहुत सारा एफर्टस और समय चाहिए, जो दो फिल्में करने जितना है। यही वजह है कि मैंने अपना समय दो अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को दिया।

आपकी फिल्म में एक डायलॉग है, सीएम, पीएम का तो पता नहीं, मगर एमएलए, एमपी तो बन जाऊंगा, तो क्या सलमान भविष्य में आप किसी बदलाव के तहत राजनीति में जाने की सोचते हैं?

उसके बाद एक और डायलॉग है फिल्म में, मुझे कोई इंटरेस्ट नहीं है, क्योंकि राजनीति मेरा फील्ड नहीं है। जब किसी को गवर्नेंस और एडमिनिस्ट्रेशन नहीं आता, तो उसे इस क्षेत्र में घुसना नहीं चाहिए। वो हमको आता ही नहीं, वो हमारा काम ही नहीं है। हमको वे काम इतना बढ़िया आता है, तो हम वही करेंगे।

निर्देशक मुरुगादॉस एक्शन के लिए जाने जाते हैं, तो क्या वो जलवा इस फिल्म में देखने को मिलेगा?

यहां पर मामला थोड़ा अलग है। मेरा मानना है कि एक्शन में जब तक इमोशन जुड़ा हुआ न हो, बात बनती नहीं है। मुरुगादॉस की पिछली जो भी फिल्में थीं, आमिर की गजनी उसमें भी इमोशन बहुत तगड़ा था। अक्षय कुमार की हॉलिडे में भी इमोशन स्ट्रॉन्ग था और यहां पर आपको जो ये देखने को मिलेगा। फिल्म का इमोशनल ग्राफ बहुत अच्छा है। मैसेज भी है और मनोरंजन भी।

फिल्म में आपकी हीरोइन रश्मिका मंदाना और आपकी उम्र के अंतर को लेकर काफी चर्चा चल रही है?

मैं जब भी नई लड़कियों के साथ काम करता हूं, मेरी कोशिश उन्हें एक बड़ा प्लेटफॉर्म देने की होती है, एक बड़ा स्टार बनाने की। मगर एज गैप का मुद्दा लाकर आप लोगों ने इनका बेड़ा गर्क कर दिया। मुझे अगर अनन्या पांडे और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना होगा, तो मुझे दस बार सोचना होगा। मगर दस बार सोच कर भी मैं करूंगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक ललित कुमार शर्मा द्वारा मैसर्स कुमार आफसैट प्रिन्टर्स, 567, तुराब नगर, गाजियाबाद से मुद्रित कराकर, ए- 574, सैक्टर-9, न्यु विजय नगर, गाजियाबाद (यू0 पी0) 201009 से प्रकाशित किया। किसी भी वाद विवाद के लिए निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गाजियाबाद में होगा। संपादक 8802820025, e-mail:phmnews24@gmail.com